RNI-UPHIN/2009/30721

सोमवार 30 जून 2025
सुर्योदय प्रातः 05:26 बजे
सूर्यास्त सांय 19:24 बजे

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 गाजा में बीमार भूखे फिलिस्तीनियों की हत्याएं, त्रासदी

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष: 16 | अंक : 255 | गाजियाबाद, सोमवार 30 जून 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

इटली में तकनीकी खराबी के कारण तीन सौ उड़ानें रद्द

✷ वेबवार्ता. रोम ✷। इटली के मिलान में एरिया कंट्रोल सेंटर में शनिवार शाम डेटा ट्रांसमिशन में खराबी आने के कारण देश के पश्चिमोत्तर क्षेत्र के कईं शहरों में 300 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गयीं। एएनएसए समाचार एजेंसी ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि यह घटना स्थानीय समयानुसार रात करीब नौ बजे हुयी। इसके कारण मिलान, बर्गामो, जेनोआ और ट्यूरिन सहित प्रभावित हवाई क्षेत्र के हवाई अड्डों पर उड़ानें स्थगित कर दी गयीं या उड़ान भरने और उतरने पर बड़े प्रतिबंध लगा दिए गये। इसमें यह भी कहा गया कि तकनीशियन अभी भी हवाई यातायात संचालन को बहाली में जुटे हुए हैं। गौरतलब है कि मिलान में एरिया कंट्रोल सेंटर इतालवी एयर नेविगेशन सेवा प्रदाता ईएनएवी द्वारा संचालित चार क्षेत्रीय नियंत्रण केंद्रों में से एक है।

पूर्व PM वाजपेयी की जीवनी का अगला भाग 20 जुलाई को जारी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी पर लिखी गई अभिषेक चौधरी की दो भागों वाली जीवनी का दूसरा और अंतिम खंड 20 जुलाई को बाजार में आएगा। प्रकाशन गृह पैन मैकमिलन इंडिया ने रविवार को घोषणा की। 'बिलिवर्स डाइलेमाः वाजपेयी एंड द हिंदू राइट्स पाथ टू पावर'', पुरस्कृत ''वाजपेयीः द एसेन्ट ऑफ द हिंदू राइट'' (2023) की अगली कड़ी है। इसे समकालीन भारत के राजनीतिक इतिहास के रूप में वर्णित किया गया है जो 1978-2018 के बीच के महत्वपूर्ण काल पर प्रकाश डालती है, जिस दौरान ''परिवर्तनकारी 40 साल की अवधि में हिंदू दक्षिणपंथियों को हाशिये से सत्ता में आते देखा गया।''

एंटी-रैगिंग मानदंडों का पालन न करने पर UGC की 'डिफॉल्टर' सूची में रखे गए 4 IIT, 3 IIM

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। चार भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) और तीन भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रैगिंग रोधी मानदंडों का पालन नहीं करने के कारण 'डिफॉल्टर' सूची में रखे गए हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यूजीसी ने देशभर के 89 संस्थानों को एंटी-रैगिंग मानदंडों के अनिवार्य अनुपालन का शपथ पत्र जमा न करने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया है। 'डिफॉल्टर' सूची में आईआईटी, आईआईएम, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) और राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (एनआईडी) सहित राष्ट्रीय महत्व के 17 संस्थान शामिल हैं। 'डिफॉल्टर' आईआईटी में आईआईटी बंबई, आईआईटी खड़गपुर, आईआईटी पलक्कड़ और आईआईटी हैदराबाद हैं। इसी तरह, आईआईएम बंबई, आईआईएम रोहतक और आईआईएम तिरुचिरापल्ली भी सूची में हैं। 'डिफॉल्टर' में एम्स रायबरेली और एनआईडी-दिल्ली, आंध्र प्रदेश और हरियाणा भी शामिल हैं।

देशों, संस्कृतियों, लोगों को एक सूत्र में बांधते हैं बुद्ध के विचारः मोदी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि भगवान बुद्ध के विचारों में दुनिया को एक सूत्र में बांधने की शक्ति है और यही वजह है कि वियतनाम में जब भारत से भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष पहुंचे तो वहां राष्ट्रीय महोत्सव का माहौल बन गया और डेढ़ करोड़ से ज्यादा लोगों ने इनके दर्शन किये।

श्री मोदी ने रविवार को रेडियो पर प्रसारित अपने कार्यक्रम 'मन की बात' में कहा कि भगवान बुद्ध के विचारों में वो शक्ति है जो देशों, संस्कृतियों और लोगों को एक सूत्र में बांधती है।

उन्होंने कहा,"पिछले दिनों मुझे वियतनाम के बहुत से लोगों ने विभिन्न माध्यमों से संदेश भेजे जिनकी हर पंक्ति में श्रद्धा, आत्मीयता और मन को छूने वाली भावनाएं थीं। वो लोग भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों के दर्शन कराने के लिए भारत के प्रति अपना आभार प्रकट कर रहे थे। उनके शब्दों में जो भाव थे वो किसी औपचारिक धन्यवाद से बढ़कर थे।"

प्रधानमंत्री ने कहा कि मूल रूप से भगवान बुद्ध के इन पवित्र अवशेषों की खोज आंध्र प्रदेश में पालनाडू जिले के नागार्जुनकोंडा में हुई थी। इस जगह का बौद्ध धर्म से गहरा नाता रहा है। कहा जाता है कि कभी इस स्थान पर श्रीलंका और चीन सहित दूर–दूर के लोग आते थे। पिछले महीने ही भगवान बुद्ध के इन पवित्र अवशेषों को वियतनाम ले जाया गया और वहाँ नौ अलग– अलग स्थानों पर इन्हें जनता के दर्शन के लिए रखा गया। श्री मोदी ने कहा," भारत की यह पहल एक तरह से वियतनाम के लिए राष्ट्रीय उत्सव बन गया।

करीब 10 करोड़ लोगों की आबादी वाले वियतनाम में डेढ़ करोड़ से ज्यादा लोगों ने पवित्र अवशेषों के दर्शन किए। सोशल मीडिया पर जो तस्वीरे और वीडियो मैंने देखे, उन्होंने एहसास कराया कि श्रद्धा की कोई सीमा नहीं होती।

बारिश हो, तेज धूप हो, लोग घंटों कतारों में खड़े रहे। बच्चे, बुजुर्ग, दिव्यांगजन सभी भाव-विभोर थे। वियतनाम के राष्ट्रपति, उप-प्रधानमंत्री, वरिष्ठ मंत्री, हर कोई नत-मश्तक था।" उन्होंने कहा कि इस यात्रा के प्रति वहाँ के लोगों में सम्मान का भाव इतना गहरा था कि वियतनाम सरकार ने इसे 12 दिन के लिए और आगे बढ़ाने का आग्रह किया था और इसे भारत ने सहर्ष स्वीकार कर लिया।

प्रधानमंत्री ने कहा, "भगवान बुद्ध के विचारों में वो शक्ति है, जो देशों, संस्कृतियों और लोगों को एक सूत्र में बांधती है। इससे पहले भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष थाईलैंड और मंगोलिया ले जाए गए थे, और वहाँ भी श्रद्धा का यही भाव देखा गया। मेरा आप सभी से भी आग्रह है कि अपने राज्य के बौद्ध स्थलों की यात्रा अवश्य करें। ये एक आध्यात्मिक अनुभव होगा, साथ ही हमारी सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने का एक सुंदर अवसर भी बनेगा।"

मुर्मु दो दिन की यात्रा पर उत्तर प्रदेश जाएंगी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु के आगमन और उनके दो दिवसीय कार्यक्रमों के साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मेजबानी में गोरखपुर इतिहास रचने को तैयार है। दो दिन में राष्ट्रपति न केवल तीन बड़े संस्थानों के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में शामिल होंगी बल्कि गोरखपुर एयरपोर्ट पर उतरने के बाद 129 किलोमीटर की दूरी सड़क मार्ग से तय करेंगी।

राष्ट्रपति गोरखपुर में हर गंतव्य तक सड़क मार्ग से ही जाएंगी। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु सोमवार (30 जून) को दोपहर में गोरखपुर आएंगी और अगले दिन मंगलवार (एक जुलाई) की शाम प्रस्थान करेंगी। सोमवार को वह अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) गोरखपुर के प्रथम दीक्षांत समारोह में सम्मिलित होकर मेधावियों को पदक प्रदान करेंगी। जबकि एक जुलाई को पूर्वाह्न राज्य के पहले महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय, पिपरी भटहट का लोकार्पण और अपराह्न महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्यधाम, सोनबरसा में अकादमिक भवन, ऑडिटोरियम, पंचकर्म का लोकार्पण तथा गर्ल्स हॉस्टल का शिलान्यास करेंगी। इसके अलावा वह दोनों दिन अलग-अलग समय गोरखनाथ मंदिर जाएंगी। गोरखनाथ मंदिर में गुरु गोरखनाथ का दर्शन-पूजन और प्रसाद ग्रहण का भी कार्यक्रम है।

गोरखपुर एयरपोर्ट पर उतरने के बाद राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु पहले दिन एयरपोर्ट, सर्किट हाउस, एम्स और गोरखनाथ मंदिर आने-जाने में कुल मिलाकर 37 किलोमीटर की दूरी सड़क मार्ग से पूरी करेंगी। जबकि अगले दिन सर्किट हाउस, महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय पिपरी भटहट, गोरखनाथ मंदिर, महायोगी गोरखनाथ

'बिहार में मतदाता सूचियों की समीक्षा में राजनीतिक दलों की सक्रिय भागीदारी'

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

बिहार में विधानसभा चुनावों से पहले मतदाता सूचियों की 'विशेष सघन समीक्षा' के लिए चुनाव आयोग की ओर से घर-घर चलाए जा रहे अभियान में सहयोग के लिए विभिन्न दलों ने कुल मिलाकर अपने डेढ़ लाख से अधिक कार्यकर्ताओं को बूथ शतरीय एजेंट बनाया है। चुनाव आयोग के सूत्रों ने रविवार यह जानकारी दी।

आयोग के एक सूत्र ने कहा,"बिहार में बूथ शतर पर सभी राजनीतिक दल मतदाता सूचियों की सघन समीक्षा में भाग ले रहे हैं। इन दलों ने मतदान केंद्र शतर पर कुल मिलाकर अब तक अपने डेढ़ लाख से अधिक कार्यकर्ताओं को एजेंट नियुक्त किया है।" एजेंट बूथ शतरीय चुनाव अधिकारियों को समीक्षा कार्य में सहयोग करते हैं।

सूत्रों ने कहा कि राज्य में कार्यरत सभी राजनीतिक दल बूथ शतर के अपने एजेंट बढ़ाने में लगे हुए हैं ताकि मतदाता सूचियों की समीक्षा संतोषजनक ढंग से हो सके।

उल्लेखनीय है कि आयोग ने इस विशेष साधन समीक्षा के संबंध में बिहार में सभी राजनीतिक दलों से सहयोग की अपील कर चुका है। आयोग ने उन्हें सलाह दी है कि वे सभी मतदान केन्द्रों के लिए अपने एजेंट नियुक्त करें। सूत्रों ने कहा कि आयोग राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं को इस प्रक्रिया में शामिल करके यह सुनिश्चित करना चाहता है कि बाद में इसको लेकर कोई राजनीति और आरोप प्रत्यारोप ना किया जाए। सूत्रों के अनुसार राज्य में बहुजन समाज पार्टी ने अब तक 26 बूथ शतरीय एजेंट, भारतीय जनता पार्टी ने 51964, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने 76, कांग्रेस पार्टी ने 8586, राष्ट्रीय जनता दल ने 47143, जनता दल (यू) ने 27931, लोक जनशक्ति पार्टी ने 2457, राष्ट्रीय लोक समता पार्टी ने 264, और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन ने अपने 233 एजेंट नियुक्त किए हैं।

'जनगणना के लिये प्रशासनिक इकाइयों की सीमाओं में 31 दिसंबर, 2025 के बाद नहीं होगा बदलाव'

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

केंद्र ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कहा है कि वे प्रशासनिक इकाइयों की सीमाओं में कोई भी प्रश्तावित परिवर्तन 31 दिसंबर से पहले कर लें, क्योंकि इस दिन तक किए गए बदलाव जनगणना कार्य के लिए अंतिम माने जाएंगे। सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को लिखे पत्र में भारत के महापंजीयक और जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण ने कहा है कि जनगणना के लिए सभी गांवों और कस्बों को एक समान गणना प्रखंडों में विभाजित किया जाता है और प्रत्येक प्रखंड के लिए एक गणक (गणना करने वाला) नियुक्त किया जाता है, ताकि जनसंख्या की गणना के दौरान किसी भी चूक या दोहराव से बचा जा सके। नियमों के अनुसार, जनगणना प्रशासनिक इकाइयों जैसे जिला, उप-जिला, तहसील, तालुका और थाना की सीमा निर्धारित होने के तीन महीने बाद ही की जा सकती है।

नारायण ने कहा कि एक अप्रैल 2026 से घर सूचीकरण कार्य, पर्यवेक्षकों और गणकों की नियुक्ति एवं उनके बीच कार्य विभाजन किया जाएगा तथा एक फरवरी 2027 से जनगणना शुरू होगी। पत्र में कहा गया है कि एक बार गणना प्रखंडों को अंतिम रूप दे दिए जाने के बाद प्रशासनिक इकाइयों की सीमाओं में कोई बदलाव नहीं होना चाहिए। मुख्य सचिवों को लिखे अपने पत्र में नारायण ने उनसे सभी विभागों को नगर निगमों, राजस्व गांवों, तहसीलों, उप-विभागों या जिलों की सीमाओं में कोई भी प्रश्तावित बदलाव 31 दिसंबर से पहले कर लेने का निर्देश देने को कहा। उन्होंने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि एक जनवरी, 2026 और 31 मार्च, 2027 के बीच प्रशासनिक इकाइयों की सीमाओं में कोई बदलाव नहीं किया जाना चाहिए, जिस दौरान जनगणना का कार्य होगा। मौजूदा सीमाओं में किसी भी तरह के बदलाव की सूचना राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के जनगणना निदेशालयों एवं भारत के महापंजीयक को 31 दिसंबर, 2025 तक देनी होगी।

ट्रेन के गेट पर पैर लटकाकर बैठा युवक घायल

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷ । ट्रेन के गेट पर पैर लटका कर बैठा युवक अलीगढ़ रेलवे स्टेशन पर प्लेट फार्म से टकरा कर घायल हो गया। घटना की सूचना पर पहुंचे आरपीएफ के जवान युवक को उपचार हेतु जिला अस्पताल ले गये। मिली जानकारी के अनुसार जनपद प्रयागराज के गांव सोनवीर निवासी 26 वर्षीय रूपेश पुत्र दिवाकर शनिवार की देर सांय ट्रेन से अपने गांव जा रहा था, तभी यह घटना घटित हुई।

हार-जीत की बाजी लगाते दो अभियुक्त गिरफ्तार

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷ । जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना अतरौली पुलिस ने हार-जीत की बाजी लगाकर जुआ खेलते हुए अभियुक्त भगवती पुत्र नेत्रपाल सिंह व योगेश पुत्र लाल सिंह निवासीगण ग्राम नगला लौधा थाना अतरौली जनपद अलीगढ़ को माल फड़ से 6500 रुपये व 52 पत्ता ताश सहित गिरफ्तार किया।

मछली से भरी गाडी डिवाइडर से टकराई

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷ । थाना बन्नादेवी इलाके में रविवार की रात्रि करीब एक बजे एक मैक्स पिकअप डिवाइडर से टकरा गई। हादसा कठपुला रेलवे पुल के पास हुआ। मैक्स के चालक ने बताया कि वह रामपुर से मछली के बच्चों को लेकर भरतपुर जा रहे थे। चालक को नींद का झोंका आने से गाड़ी डिवाइडर से टकरा गई। टकराने के बाद मछली के बच्चों से भरी क्रेट सड़क पर गिर गई। जिससे मछली के हजारों बच्चे सड़क पर बिखर गए। जो अन्य वाहनों के पहियों के नीचे दबकर मर गये। हालांकि चालक, परिचालक या किसी अन्य व्यक्ति को कोई चोट नहीं आई। घटना के बाद मार्ग के दोनों तरफ जाम लग गया। राहगीरों की सूचना पर पहुंची बन्नादेवी पुलिस ने क्षतिग्रश्त मैक्स को पुल से नीचे पहुंचाया व यातायात व्यवस्था को सुचारू किया।

चोरी के ट्रैक्टर व ट्रॉली के साथ दो अभियुक्त गिरफ्तार

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷ । अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना मडराक पुलिस व क्रिमिनल इंटेलीजेंस विंग ग्रामीण की संयुक्त टीमों ने चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना व सर्विलांस की सहायता से कार्यवाही करते हुए अभियुक्त गुलजार उर्फ पहलवान पुत्र रामजानी उर्फ रमजान निवासी इस्लामनगर खतौली थाना खतौली जनपद मुजफ्फरनगर व संजीव पुत्र ओमप्रकाश कश्यप निवासी राजपुर खामपुर थाना बड़ौत जनपद बागपत को एक ट्रैक्टर फार्मट्रेक 50 रंग नीला मय ट्राली के मनोहरपुर कायस्थ की ओर सड़क पर पुलिया के पास से गिरफ्तार किया। उक्त ट्रैक्टर चोरी के संबंध में थाना छाता जनपद मथुरा पर मुकदमा पंजीकृत था।

अलग-अलग थाना क्षेत्र से पॉच अभियुक्त गिरफ्तार

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷ । वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन द्वारा अपराध की रोकथाम एवं वांछित व वारंटी अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना अतरौली पुलिस ने तत्परता का परिचय देते हुये मुखबिर की सूचना पर वारंटी अभियुक्त प्रताप सिंह, थाना अकराबाद पुलिस ने अभियुक्त मुनेशपाल को 20 टेट्रा पैकेट ट्विन टावर देशी शराब सहित, थाना पालीमुकीमपुर पुलिस ने पॉक्सो एक्ट में वांछित अभियुक्त सचिन कुमार को बिजौली ब्लॉक तिराहे से और थाना देहलीगेट पुलिस टीम ने वारंटी अभियुक्त शिवम को उसके मस्कन से गिरफ्तार किया। थाना दादों पुलिस ने वारण्टी सत्यभान जाटव पुत्र को गिरफ्तार किया।

वृक्ष लगायें, धरा को हरा-भरा बनाएँ

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷ । धरा पर वृक्ष ही जीवन का आधार है और वृक्षारोपण को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री जी द्वारा मातृशक्ति के सम्मान व प्रकृति के संरक्षण-संवर्धन हेतु शुरू किए गए "एक पेड़ माँ के नाम अभियान" के अंतर्गत आज मलखान नगर बूथ क्रमांक- 6 सिविल लाइन मंडल में वृक्षारोपण किया इस कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष पंकज वर्मा मंडल प्रवासी भूपेंद्र वार्ष्णेय मनोज अग्रवाल, विजय विक्रम, मानव महाजन, शिबू वार्ष्णेय नरेंद्र कठेरिया, रणवीर बघेल,सुभाष वर्मा सुभाष सविता ममता शर्मा, सर्वेश बघेल, अनुज मालिक मुकेश सैनी, अमित बघेल जमील अहमद मौजूद रहे दूसरा कार्यक्रम स्वामी रामतीर्थ मिशन हरिओम नगर में प्रांत प्रचारक श्री गोविंद जी, महानगर संघचालक श्री अजय जी ने वृक्षारोपण किया इस मौके पर क्षेत्रवासी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हिमाचल में बारिश बनी आफत, चंडीगढ़-शिमला नेशनल हाइवे पर भूस्खलन

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में मानसून की भारी बारिश हो रही है। बीती रात से लगातार जारी मूसलधार बारिश ने प्रदेश के विभिन्न जिलों में जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। सड़कों पर भूस्खलन, पेड़ों के गिरने और नदी-नालों के उफान पर आने से हालात चिंताजनक बने हुए हैं। मौसम विभाग ने आज और कल के लिए भारी से बहुत भारी वर्षा का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जबकि पांच जुलाई तक व्यापक वर्षा की चेतावनी दी गई है।

चक्की मोड़ पर फिर टूटी नेशनल हाईवे-05 की रफ्तार

सोलन जिले के परवाणू थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले चण्डीगड़-शिमला नेशनल हाईवे-5 पर स्थित चक्की मोड़ के पास रविवार को भारी भूस्खलन हुआ। इससे चंडीगढ़-शिमला मार्ग करीब डेढ़ घंटे तक पूरी तरह बंद रहा। बारिश के चलते पहाड़ी से मलबा और पत्थर गिरने से सड़क बाधित हो गई थी। कड़ी मशक्कत के बाद राष्ट्रीय उच्च मार्ग प्राधिकरण और पुलिस ने एक लेन को साफ कर यातायात आंशिक रूप से बहाल किया। फिलहाल वाहनों की आवाजाही एक ही लेन से हो रही है, जिसे पुलिस टीमों द्वारा नियंत्रित किया जा रहा है।

इससे पहले पिछली बरसातों में भी चक्की मोड़ पर बारिश के चलते सड़क पूरी तरह बह गई थी और एनएच-05 कई दिनों तक बंद रहा था। इस बार भी मानसून की भारी बारिश में वैसी ही स्थिति दोबारा बन गई है। सड़क का वैकल्पिक मार्ग जंगेशू रोड भी भूस्खलन की चपेट में आ गया है, जिसे खोलने का कार्य तेजी से चल रहा है। इस मार्ग के बहाल होने के बाद कसौली से चंडीगढ़ की ओर जाने वाला ट्रैफिक वहां से डायवर्ट किया जाएगा।

कालका-शिमला हेरिटेज ट्रैक पर मलबा, ट्रेन सेवा पर असर

कालका-शिमला हेरिटेज रेलवे ट्रैक पर सोलन में पेड़ और पत्थर गिरने से रेल सेवा प्रभावित हुई है। ट्रैक से मलबा हटाने का कार्य जारी है। इससे पर्यटकों और स्थानीय यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सोलन के उपायुक्त मनमोहन शर्मा ने बताया कि जिले में 24 घंटे का इमरजेंसी ऑपरेशन सिस्टम सक्रिय है। सभी एसडीएम अपने-अपने क्षेत्रों की निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने आम जनता से अपील की है कि वे अनावश्यक यात्रा से बचें और नदी-नालों से दूरी बनाए रखें। बीबीएन क्षेत्र में नदी किनारे बसी बस्तियों को अलर्ट कर सुरक्षित स्थानों पर जाने के निर्देश जारी किए गए हैं।

शिमला में लैंडस्लाइड से खतरा, पेड़ गिरने से सड़कें बाधित

राजधानी शिमला और उसके आसपास के इलाकों में भी भारी बारिश के चलते कई स्थानों पर भूस्खलन की घटनाएं सामने आई हैं। खलीनी के मिस्ट चैंबर क्षेत्र में लैंड स्लाइड के कारण दो मकानों को खतरा पैदा हो गया है। यह भू-स्खलन पास में चल रहे निर्माण कार्य के कारण हुआ है। पंथाघाटी-जुंगा मार्ग पर बेल्स इंस्टीट्यूट के पास एक विशालकाय पेड़ गिर गया, जिससे सड़क अवरुद्ध हो गई। वहीं चमयाना स्थित सुपर स्पेशलिटी अस्पताल को जाने वाली सड़क पर जगह-जगह मलबा आने के कारण लोगों को पैदल ही अस्पताल तक पहुंचना पड़ा।

मंडी में सबसे ज्यादा बारिश, ब्यास नदी के लिए अलर्ट

प्रदेश में बीते 24 घंटों के दौरान सबसे अधिक बारिश मंडी जिले के जोगिंदरनगर में 135 मिमी दर्ज की गई। सोलन के कसौली में 125, काहू में 119, सिरमौर के पांवटा साहिब में 116, सुंदरनगर में 96, शिमला में 91, कुफरी में 89 और बिलासपुर में 86 मिमी बारिश हुई है। मौसम विभाग ने लाहौल-स्पीति और किन्नौर को छोड़कर शेष दस जिलों में अगले 24 घण्टे फ्लैश फ्लड का अलर्ट जारी किया है। वहीं मंडी जिला प्रशासन ने चेतावनी दी है कि पंडोह डैम के गेट आज खोले जा सकते हैं जिससे ब्यास नदी का जलस्तर अचानक बढ़ सकता है। प्रशासन ने नदी किनारे रहने वाले लोगों से सतर्क रहने और सुरक्षित स्थानों की ओर जाने की अपील की है।

कौन हैं कांग्रेस के पूर्व विधायक, जिनकी ईडी ने जब्त कर ली है 638 करोड़ की संपत्ति

चंडीगढ़, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को मनी लॉन्ड्रिंग के एक बड़े मामले में हरियाणा के पूर्व कांग्रेस विधायक धर्म सिंह छोकर और उनसे जुड़ी कंपनियों की 557 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त कर ली। इस कार्रवाई के साथ इस मामले में अब तक जब्त कुल संपत्ति की राशि 638 करोड़ रुपये से अधिक हो चुकी है। यह मामला महिरा इन्फ्राटेक लिमिटेड जो कि पहले साई आइना फार्म्स प्राइवेट लिमिटेड के नाम से जानी जाती थी और चौकर के सहयोगियों से जुड़ा है। जब्त की गई संपत्तियों में गुरुग्राम के सेक्टर 68, 103 और 104 में फैली 35 एकड़ जमीन, रिहायशी और व्यावसायिक संपत्तियां शामिल हैं।

ईडी के अनुसार, आरोपियों ने फर्जी दस्तावेज और जाली बैंक गारंटी के ज़रिए गुरुग्राम में सस्ती आवासीय परियोजनाओं के लिए लाइसेंस हासिल किए। इन परियोजनाओं के नाम पर करीब 3,700 लोगों से 616 करोड़ रुपये वसूले गए। इसके बावजूद कंपनी ने मकान समय पर डिलीवर नहीं किए और कथित तौर पर फंड्स की हेराफेरी की गई।

पैसा कहां गया? : जांच में पता चला कि कंपनी के निर्देशकों और प्रमोटर्स ने पैसे को फर्जी निर्माण लागत दिखाकर अपनी सहयोगी कंपनियों को ट्रांसफर किया। इसके अलावा खरीदारों से जुटाए गए फंड को समूह की अन्य कंपनियों को कर्ज के रूप में स्थानांतरित किया गया जो वर्षों से बकाया है।

ईडी ने गुरुग्राम की विशेष अदालत में चार्जशीट दायर की, जिसे अदालत ने संज्ञान में ले लिया है।

प्रशांत किशोर के आरोपों पर शांभवी चौधरी ने किया पलटवार, बोलीं- यह सामंती मानसिकता को दर्शाता है

जमुई , एजेंसी। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की सांसद शांभवी चौधरी ने जन सुराज पार्टी के प्रमुख प्रशांत किशोर पर निशाना साधते हुए कहा कि एक दलित महिला जो आगे बढ़ रही है, उसे निशाना बनाना सामंती मानसिकता को दर्शाता है। किशोर ने आरोप लगाया है कि उनके पिता, बिहार के मंत्री अशोक चौधरी ने उनके लोकसभा टिकट के लिए पैसे दिए हैं। पिछले महीने, बिहार के जमुई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, किशोर ने आरोप लगाया था कि जेडी(यू) नेता अशोक चौधरी ने अपनी बेटी शांभवी के लिए समस्तीपुर लोकसभा टिकट हासिल करने के लिए एलजेपी (रामविलास) को पैसे दिए थे, जिन्होंने 25 साल की उम्र में 2024 के आम चुनावों में सीट जीती और सबसे कम उम्र की सांसदों में से एक बन गईं।

बाद में, बिहार के मंत्री और जेडी(यू) के वरिष्ठ नेता अशोक चौधरी ने किशोर के खिलाफ उनके आरोप को लेकर मानहानि का मुकदमा दायर किया। एएनआई के साथ एक साक्षात्कार में, शांभवी ने किशोर पर उनकी सामंती मानसिकता के लिए हमला किया। उन्होंने किशोर की टिप्पणियों को एक व्यक्तिगत हमला बताया, और सवाल किया कि जब उनकी पार्टी में कई अन्य सांसद हैं, तो उन्हें क्यों निशाना बनाया गया। लोकसभा सांसद ने कहा कि जन सुराज पार्टी के प्रमुख के आरोप उनके अहंकार को दर्शाते हैं।

तीसरी पीढ़ी की राजनीतिज्ञ के रूप में, शांभवी ने जोर देकर कहा कि राजनीति विचारधाराओं के बारे में होनी चाहिए, न कि व्यक्तिगत हमलों के बारे में। उन्होंने कहा कि सबसे पहले, मुझे नहीं लगता कि प्रशांत किशोर उस समय के लायक हैं ... जिन पर खर्च किया जाना चाहिए। हां, मुझे लगता है कि यह एक व्यक्तिगत हमला था। मैं एक राजनीतिक परिवार से आती हूं, और मैं तीसरी पीढ़ी की राजनीतिज्ञ हूं। एक बात जो मैंने वर्षों में सीखी है, वह यह है कि राजनीति विचारधाराओं के बीच की लड़ाई है, न कि व्यक्तियों के बीच। व्यक्तिगत हमलों से हमेशा बचना चाहिए।

उन्होंने कहा कि राजनीति व्यक्तियों के बीच की लड़ाई नहीं है; हम लोगों और अपनी विचारधारा के लिए लड़ते हैं। प्रशांत किशोर ने जानबूझकर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस मुद्दे को उठाया; यह ऐसा कुछ नहीं था जिसका उन्होंने निजी तौर पर उल्लेख किया हो। उन्होंने मेरी राजनीतिक पृष्ठभूमि को लेकर मुझे निशाना बनाया, और मुझे समझ नहीं आता कि ऐसा क्यों हुआ। शंभवी ने इस बात पर जोर दिया कि किशोर की टिप्पणी उनकी सामंती मानसिकता को दर्शाती है।

हिमाचल प्रदेश में मल्टी टास्क वर्करों का मानदेय बढ़ा, 500 पशु मित्रों की होगी भर्ती; कैबिनेट के फैसले

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू की अध्यक्षता में शनिवार को आयोजित कैबिनेट की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। कैबिनेट ने पशुपालन विभाग में 500 पशु मित्रों के पदों को भरने की मंजूरी दी है। इन्हें पांच हजार रुपए प्रतिमाह मानदेय दिया जाएगा। बैठक में लोक निर्माण विभाग के मल्टी टास्क वर्करों के मानदेय में 500 रुपए की बढ़ोतरी कर उसे 5500 रुपए प्रतिमाह करने को स्वीकृति दी गई। इससे लगभग 5 हजार वर्करों को फायदा होगा।

इसके अलावा प्रदेश की सभी 3645 पंचायतों में आपदा की स्थिति में त्वरित राहत व बचाव कार्य सुनिश्चित करने के लिए 'पंचायत आपातकालीन प्रतिक्रिया केंद्र' स्थापित करने की भी मंजूरी प्रदान की है। बैठक में पे मैट्रिक्स लेवल-11 के पदों को ग्रुप-बी से ग्रुप-सी में पुनर्वर्गीकृत करने का भी निर्णय लिया गया, जिससे अब केवल हिमाचल प्रदेश के मूल निवासी ही इन पदों के लिए आवेदन कर सकेंगे। पूर्व में ये पद ग्रुप-बी में आते थे और भर्ती हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा की जाती थी। अब इन्हें ग्रुप-सी श्रेणी में रखते हुए भर्ती हिमाचल प्रदेश राज्य चयन आयोग द्वारा की जाएगी। कैबिनेट ने दूध प्रोत्साहन योजना शुरू करने को भी स्वीकृति दी है। इसके अंतर्गत गैर-सरकारी डेयरी सहकारी समितियों को दूध आपूर्ति करने वाले किसानों को प्रति लीटर तीन रुपए की सब्सिडी प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से प्रदान की जाएगी। इसके अलावा पर्यटन गतिविधियों को विकेंद्रीकृत करने और शिमला शहर पर बोझ कम करने के लिए हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम का मुख्यालय शिमला से धर्मशाला स्थानांतरित करने को भी मंजूरी दी है। यह कांगड़ा को राज्य की पर्यटन राजधानी के रूप में विकसित करने के सरकार के विजन का हिस्सा है। बैठक में जिला पुलिस देहरा की पुलिस लाइनों में विभिन्न श्रेणियों के 101 पदों के सृजन और उन्हें भरने की भी स्वीकृति प्रदान की गई। स्वरोजगार को बढ़ावा देने और परंपरागत ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता घटाने के लिए मंत्रिमंडल ने सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए ब्याज सब्सिडी योजना को मंजूरी दी है।

हिंदी थोपने से 90 हजार छात्र फेल, तमिलनाडु के मंत्री का बड़ा दावा; केंद्र सरकार पर सवाल

चेन्नई, एजेंसी। इस समय हिंदी भाषा को लेकर दक्षिण भारतीय राज्यों में बवाल मचा हुआ है। इन सबके बीच तमिलनाडु के शिक्षा मंत्री अन्बिल महेश पोयामोझी ने कर्नाटक को लेकर एक दावा किया है। इस दावे के मुताबिक कर्नाटक में हिंदी भाषा थोपने के चलते 90 हजार स्टूडेंट बोर्ड एग्जाम में फेल हो गए। तमिलनाडु के मंत्री ने यह बातें स्कूल कॉम्पटीशन के दौरान छात्रों को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने इस प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करते हुए केंद्र सरकार की लैंग्वेज पॉलिसी और एजुकेशन फंडिंग पर सवाल उठाए।

छात्रों के लिए होना चाहिए विकल्प: मंत्री ने आगे कहाकि भाषा सीखना छात्रों के लिए एक विकल्प होना चाहिए। उन्होंने कहाकि तीसरी भाषा एक विकल्प होना चाहिए, न कि एक मजबूरी। साथ ही शिक्षा नीतियों में लचीलापन की जरूरत पर जोर दिया। केंद्र सरकार पर सीधा हमला करते हुए, अन्बिल महेश ने संघीय सरकार पर उच्च प्रदर्शन करने वाले राज्यों जैसे तमिलनाडु और केरल से महत्वपूर्ण शिक्षा फंड रोकने का आरोप लगाया। उन्होंने कहाकि केंद्र राज्यों को शिक्षा फंड दबाकर धमकी दे रहा है। लेकिन मुख्यमंत्री स्टालिन ने हस्तक्षेप किया है और आश्वासन दिया है कि राज्य पूरी लागत वहन करेगा।

कनिमोझी ने दिया अमित शाह को जवाब

इससे पहले डीएमके सांसद कनिमोझी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस दावे का जवाब दिया कि हिंदी किसी भी भाषा की दुश्मन नहीं है। कनिमोझी ने इसी आधार पर तमिल का समर्थन किया। उन्होंने उत्तर भारतीयों से दक्षिण भारतीय भाषाएं सीखने का आग्रह किया। उन्होंने कहाकि अगर हिंदी किसी भी भाषा की दुश्मन नहीं है, तो तमिल भी किसी भी भाषा की दुश्मन नहीं है। उन्हें तमिल सीखने दें। उन्होंने कहाकि उत्तरी भारत के लोगों को कम से कम एक दक्षिण भारतीय भाषा सीखने दें। यही सच्चा राष्ट्रीय एकीकरण है। शाह ने हाल ही में कहा था कि हिंदी किसी भी भारतीय भाषा की विरोधी नहीं है, बल्कि सभी भाषाओं की मित्र है। उन्होंने कहा था कि देश में किसी भी भाषा के खिलाफ कोई विरोध नहीं होना चाहिए।

एक दिन में यूपी की आबादी से ज्यादा रोपे जाएंगे पौधे

अगले महीने योगी सरकार चलाएगी बड़ा अभियान

लखनऊ, एजेंसी। अगले महीने, जुलाई में एक दिन में प्रदेश की आबादी से ज्यादा पौधे रोपे जाएंगे। वन महोत्सव की तैयारियों के संबंध में शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उच्च स्तरीय बैठक में तैयारियों की गहन समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस अभियान को प्रदेशव्यापी जन आंदोलन का रूप दिया जाए। वृक्षारोपण महाभियान- 2025 का लोगो जारी करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम थीम पर आधारित इस पौधरोपण अभियान में हमारा सामूहिक प्रयास प्रदेश को हीटवेव से ग्रीनवेव की तरफ ले जाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जितना महत्वपूर्ण पौधारोपण है, उतनी ही गंभीरता से पौधों की सुरक्षा भी सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 से 2024 के बीच प्रदेश में 204.92 करोड़ से ज्यादा पौधे रोपे जा चुके हैं। देहरादून स्थित भारतीय वन सर्वेक्षण की रिपोर्ट के मुताबिक 2017 से 2023 के बीच यूपी के हरित आवरण में तीन लाख एकड़ से ज्यादा की वृद्धि दर्ज की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वन महोत्सव की अवधि में जन्म लेने वाले सभी नवजात को ग्रीन गोल्ड सर्टिफिकेट दिया जाए। शिशुओं के अभिभावकों को एक पौधा भेंट किया जाए। यह पर्यावरणीय चेतना को व्यक्तिगत जीवन से जोड़ने का अभिनव प्रयोग होगा, जिसमें पौधे की देखभाल की जिम्मेदारी उसी भावना से निभाई जाएगी जैसे किसी नवजात की। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार 35 करोड़ पौधे रोपे जाने हैं। यह संख्या यूपी की कुल आबादी से ज्यादा है। मुख्यमंत्री ने अभी से तैयारी शुरू करने के निर्देश दिए और कहा कि पेड़ लगाओ, पेड़ बचाओ का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जाए।

विद्यालयों, अस्पतालों में कराएं पौधरोपण : मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रोजेक्ट अलंकार के तहत लाभान्वित विद्यालयों में पौधरोपण हो। सभी मेडिकल कॉलेजों और जिला अस्पतालों में सहजन सहित छायादार पेड़ लगाए जाएं ताकि इन संस्थानों में आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को भविष्य में इसका लाभ मिल सके। औद्योगिक इकाइयों के परिसरों में सघन पौधरोपण कराया जाए, जिससे औद्योगिक वातावरण अधिक हरित और स्वस्थ बन सके। सभी निराश्रित गो-आश्रय स्थलों में नीम, पाकड़, पीपल जैसे पौधों का रोपण हो। उन्होंने कहा कि अभियान में जनसहभागिता सुनिश्चित हो। नुक्कड़ नाटकों, चित्रकला,प्रभात फेरियों जैसे कार्यक्रमों से लोगों को जागरूक करें।

नदियों के पुनर्जीवन को रखें केंद्र में : वन महोत्सव के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नदियों के पुनर्जीवन को भी केंद्र में रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व में किए गए संरक्षण प्रयासों से सकारात्मक परिणाम मिले हैं।

डांस टीचर ने नाबालिग लड़के से बनाए अप्राकृतिक संबंध, कोर्ट से 52 साल जेल की सजा

तिरुअनंतपुरम, एजेंसी। केरल की अदालत ने शनिवार को एक पुरुष नृत्य शिक्षक को 6 साल पहले अपने सात वर्षीय छात्र के साथ बार-बार यौन उत्पीड़न करने के जुर्म में कुल 52 साल जेल की सजा सुनाई। तिरुवनंतपुरम त्वरित विशेष अदालत की न्यायाधीश अंजू मीरा बिड़ला ने 46 वर्षीय सुनील कुमार को यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम और किशोर न्याय अधिनियम के तहत कुल 52 साल की जेल की सजा सुनाई। कोर्ट के आदेश के अनुसार, सभी सजाएं एक साथ चलेंगी। इसलिए कुमार को 20 वर्ष की कैद होगी, जो विभिन्न कारावास अवधियों में सबसे अधिक है।

अदालत ने दोषी पर 3.25 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया। यह निर्देश दिया कि अगर यह राशि उससे वसूल हो जाती है तो उसे मुआवजे के तौर पर पीड़ित को दिया जाएगा। विशेष लोक अभियोजक आरएस विजय मोहन के अनुसार, आरोपी ने एक कमरे में (जहां वह नृत्य सिखाता था) नाबालिग लड़के के साथ कई बार अप्राकृतिक यौन संबंध बनाए। अभियोजन पक्ष ने अदालत को बताया कि 2017-19 की अवधि के दौरान, बच्चा आरोपी से नृत्य सीखने गया था तब आरोपी ने उसके साथ कई बार अप्राकृतिक यौन संबंध बनाए।

कैसे हुआ मामले का खुलासा

अभियोजन पक्ष ने बताया कि आखिरकार बच्चे ने नृत्य सीखने जाने से इनकार कर दिया, लेकिन आरोपी की धमकियों के कारण उसने किसी को भी घटना के बारे में नहीं बताया। अभियोजन पक्ष ने कहा कि बच्चे ने अपने साथ हुई इस घटना का खुलासा तब किया जब उसके माता-पिता ने उसके छोटे भाई को आरोपी के पास नृत्य सीखने के लिए भेजने का फैसला किया। यह सुनकर उसके पेरेंट्स और घर के बाकी लोग हैरान रह गए। उन्होंने अपने नजदीकी पुलिस थाने में इस घटना को लेकर शिकायत दर्ज कराई और दोषी के खिलाफ सख्त ऐक्शन लिए जाने की गुहार लगाई।

श्रमिक कार्ड बनाने के नाम पर महिला से 65 हजार रुपये ठगे

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। लोनी बार्डर थाना क्षेत्र की सोनिया नगर कालोनी में रहने वाली युवती से ठगों ने श्रमिक कार्ड बनवाने का झांसा देकर 13 जून को 65 हजार 652 रुपये ठग लिये। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। सोनिया नगर में नेहा रहती है। उन्होंने बताया कि 13 जून को एक अज्ञात नंबर से काल आई। युवक ने उन्हें बताया कि भारत सरकार द्वारा श्रमिक कार्ड बनाया गया है। कार्ड बनने के बाद से उन्हें 62 सौ रुपये प्रति माह सरकार द्वारा दिये जाएगें। कार्ड को अपडेट कराने के लिए 50 रुपये की फीस जमा करानी होगी। उन्होंने युवक द्वारा भेजे गये स्कैनर पर पेमेंट कर दी। जिसके बाद उनके खाते से कई बार में 62 हजार 652 रुपये की पेमेंट कट गई। पीड़िता ने मामले की शिकायत पुलिस से की है।

जान से मारने की धमकी मामले में चार पर केस

✷ **एनसीआर टुडे. गौतमबुद्ध नगर** ✷। दादरी के गौतमपुरी मोहल्ले में 10 जून को सतीश गौतम को रॉड से मारपीट कर घायल करने के मामले में महिला समेत चार आरोपियों पर केस दर्ज किया गया है। आरोपियों ने युवक का फोन और बाइक भी क्षतिग्रश्त कर दी थी। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि पीड़ित ने उपचार के बाद शनिवार को अनमोल, बिजेंद्र, विमलेश व अश्विनी के खिलाफ दादरी कोतवाली में शिकायत दी है। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

युवक को पीट कर किया घायल, केस दर्ज

✷ **एनसीआर टुडे. गौतमबुद्ध नगर** ✷। दादरी के रामपुर फतेहपुर गांव में घर जा रहे कार सवार युवक को दो लोगों ने मारपीट कर घायल कर दिया। घायल की शिकायत पर पुलिस ने बुधराज व एक अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू की है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि विकास कुमार 27 जून की देर शाम को कार में सवार होकर घर जा रहा था। जब वह घर के पास पहुंचा तो गांव के ही बुधराज व अज्ञात ने लाठी-डंडों से उसके साथ मारपीट कर दी। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी और भाग गए। उपचार कराने के बाद घायल विकास ने 28 जून रात में केस दर्ज कराया।

तमंचे के साथ बदमाश गिरफ्तार

✷ **एनसीआर टुडे. नोएडा** ✷। सेक्टर-113 थाने की पुलिस ने रविवार को सोरखा के टी प्वाइंट के पास से वारदात करने की फिराक में घूम रहे बदमाश को दबोच लिया। उसके पास से एक तमंचा और कारतूस बरामद हुआ। बदमाश की पहचान दनकौर के चीती नंगला गांव निवासी 28 वर्षीय राहुल भाटी के रूप में हुई। राहुल के खिलाफ सेक्टर-113 थाने में आर्म्स ऐक्ट की धारा में एक केस दर्ज हैं। पूछताछ में आरोपी ने बताया वह चोरी की नीयत से घूम रहा था। वारदात का विरोध करने पर लोगों को डराने के लिए वह अपने पास तमंचा रखता।

नहटौर के युवक की मुंबई के समुद्र में डूबकर मौत

✷ **एनसीआर टुडे. नहटौर** ✷। नहटौर के मोहल्ला हाथी वाला मंदिर निवासी सलीम बढापुरिया का 28 वर्षीय पुत्र तंजीम मुंबई के अंधेरी में अपने मामा फईम के घर पर रह रहा था। वह मुंबई में बेकरी में फेरी आदि का काम करता था। बताया जाता है कि तंजीम जुहू चौपाटी इलाके में समुद्र में नहाने गया था। इसी दौरान वह अधिक गहराई में पहुंचने पर डूब गया। शुक्रवार को उसकी मौत का पता चलने पर परिवार में कोहराम मच गया। तंजीम पांच माह पूर्व मुंबई गया था। शुक्रवार की देर रात मृतक का शव यहां पहुंचा। शनिवार की प्रातः मृतक का गमगीन माहौल में दफीना कर दिया गया।

करंट लगने से किशोर की मौत

✷ **एनसीआर टुडे. नहटौर** ✷। गांव सराय काजियान में करंट की चपेट में आने से एक 10 वर्षीय बालक की मौत हो गई। मौत से परिवार में कोहराम मच गया। गांव सराय काजियान में शुक्रवार की सांय करीब 5:30 बजे ग्राम प्रधान लोकेश देवी का लोकेश देवी का 10 वर्षीय पुत्र युवराज छत पर गया था। बताया जाता है कि छत पर चिनाई का काम चल रहा था। राजमिस्त्री काम समाप्त करने के बाद नीचे उतर आए थे। इसी दौरान छत पर गए युवराज को छत पर पड़े विद्युत केबिल से करंट लग गया। विद्युत केबिल में कट लगा हुआ था, जिससे वह बुरी तरह से झुलस गया। आनन फानन में उसे सीएचसी में भर्ती कराया। जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। उसकी मौत से परिवार में कोहराम मच गया। परिवार के लोगों का रो रो कर बुरा हाल बना है। बताया जाता है कि युवराज चार बहनों का इकलौता भाई था।

भाजपा ने शक्ति केंद्र हिंदू इंटर कॉलेज पर एक बैठक का आयोजन किया

✷ **एनसीआर टुडे. नगीना** ✷। भाजपा नगीना के शक्ति केंद्र हिंदू इंटर कॉलेज पर एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि जिला उपाध्यक्ष प्रमोद चौहान जी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ! मुख्य अतिथि के द्वारा आगामी 29 जून को मोदी जी के मन की बात कार्यक्रम,परम श्रद्धेय श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र को पुष्पांजलि एवं बूथों पर होने वाले वृक्षारोपण के बारे में रूपरेखा तय कराई गई! कार्यक्रम की अध्यक्षता पंडित उमेश चंद शर्मा जी के द्वारा वह संचालन शक्ति केंद्र संयोजक संजय शर्मा जी द्वारा किया गया! कार्यक्रम में मंडल महामंत्री पंडित सचिन शर्मा, वरिष्ठ युवा नेता रोहित रवि, पिछड़ा मोर्चा के पूर्व मंडल अध्यक्ष सुनील सैनी, मंडल मंत्री अमिचंद्ररवि, धर्मेंद्र प्रजापति देवराज सैनी, रामचरण सैनी, कुलदीप मुकंदी सिंह, रिंकू, पवन उपस्थित रहे।

महिलाओं को साइबर सुरक्षा की जानकारी दी

✷ **एनसीआर टुडे. नोएडा** ✷। साइबर और महिला सुरक्षा टीम ने रविवार को गांवों, सोसाइटियों, लेबर कॉलोनियों और बाजारों में महिलाओं और लड़कियों को एकत्र कर उनसे बातचीत की। इस दौरान सभी को साइबर सुरक्षा और महिला सशक्तिकरण अभियान की जानकारी दी गई। हेल्पलाइन नंबरों के बारे में बताया।

सेवानिवृत अधिकारी को डिजिटल अरेस्ट कर साढ़े चौबीस लाख ठगे

✷ **एनसीआर टुडे. नोएडा** ✷

साइबर अपराधियों ने धन शोधन केस में फंसाने की धमकी देकर वायरलेस विभाग से सेवानिवृत्त अधिकारी को छह दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखकर साढ़े चौबीस लाख रुपये ठग लिए। पीड़ित बुजुर्ग की शिकायत पर साइबर क्राइम थाने की पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को दी शिकायत में सेक्टर-82 निवासी सुखदास ने बताया कि वह वायरलेस विभाग से सेवानिवृत्त हैं और वर्तमान में अकेले रहते हैं। जून के दूसरे सप्ताह में उनके मोबाइल पर अनजान नंबर से कॉल आई। कॉलर ने खुद को ट्राई का अधिकारी बताया।

उसने कहा कि कि उनके आधार कार्ड का इश्तेमाल कर कई सिम निकलवाई गई हैं। उनके आधार कार्ड का इश्तेमाल बैंक खातों को खुलवाने में भी किया गया है। संबंधित सिम और खातों का धन शोधन केस में इश्तेमाल हुआ है। आधार कार्ड के पते से, जो पार्सल भेजा गया है, उसमें ड्रग्स समेत अन्य सामान भी मिला है। ऐसे में पुलिस और सीबीआई जल्द ही उनकी गिरफ्तारी कर सकती है।

इसके बाद कॉलर ने कॉल पुलिस अधिकारी को ट्रांसफर कर दी। पुलिस अधिकारी की ओर से पीड़ित को बताया गया कि मामला काफी संवेदनशील है। मामले की जांच अब सीबीआई करेगी। कथित पुलिस अधिकारियों ने पीड़ित से कहा कि अगर वह चाहते हैं कि उसकी जांच और सुनवाई डिजिटल तरीके से हो तो उन्हें वीडियो कॉल पर रहना होगा। किसी को भी इसके बारे में जानकारी नहीं देनी होगी।

अगर जानकारी दी तो उनके साथ उसके परिवार को भी जेल जाना होगा। 12 जून को ठगों ने सुखदास को डिजिटल अरेस्ट किया और पूछताछ करनी शुरू की। बैंक खाते समेत निजी जानकारी एकत्र की। इसके बाद बताया गया कि उनके खाते में जितनी भी रकम है, उसे दूसरे खाते में ट्रांसफर करना होगा। जांच के बाद पूरी रकम मूल खाते में वापस आ जाएगी। खाते में जमा रकम की निगरानी और जांच आरबीआई प्रबंधन की ओर से की जाएगी।

इसी दौरान ठगों ने गिरफ्तारी वारंट भी पीड़ित के मोबाइल पर भेज दिया। डरे सहमे सुखदास ने ठगों की बात मान ली और उनके द्वारा बताए गए खातों में रकम ट्रांसफर करनी शुरू कर दी। 18 जून तक ठगों ने सेवानिवृत्त अधिकारी को डिजिटल अरेस्ट करके रखा और पांच से अधिक बार में 24 लाख 50 हजार रुपये ट्रांसफर करा लिए।

ऐसे हुआ पीड़ित को शकः सुखदास पर जब और रुपये जमा करने का दबाव बनाया जाने लगा, तब उन्हें ठगी की आशंका हुई। रुपये वापस मांगने पर ठगों ने पीड़ित से संपर्क तोड़ दिया। दोबारा जब संबंधित नंबर पर पीड़ित ने कॉल की तो नंबर बंद आने लगा।

इसके बाद ठगी की जानकारी सेवानिवृत्त अधिकारी ने घर के अन्य सदस्यों को दी। साइबर थाना प्रभारी ने बताया कि जिन खातों में ठगी की रकम ट्रांसफर हुई, उनकी जानकारी जुटाई जा रही है। ठगी की रकम को फ्रीज कराने के लिए संबंधित बैंक के अधिकारियों से भी संपर्क किया गया है। आशंका जताई जा रही है कि किराये के खातों में ठगी की रकम ट्रांसफर हुई।

पुलिस ऑनलाइन पूछताछ नहीं करती : डीसीपी डीसीपी साइबर प्रीति यादव ने बताया अगर कोई ऑनलाइन गिरफ्तारी या पूछताछ करने का डर दिखाए तो घबराएं नहीं। पुलिस या कोई अन्य एजेंसी कभी ऑनलाइन पूछताछ नहीं करती है। पूछताछ के लिए बाकायदा समन भेजा जाता है। अगर आपने पार्सल नहीं भेजा है तो डरने की कोई आवश्यकता नहीं है।

ठगी होने पर साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें। ठगी की जितनी जल्दी शिकायत होगी, रकम वापसी की संभावना भी उतनी ही रहेगी।

वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

✷ **एनसीआर टुडे. नोएडा** ✷

पर्थला चौक से सेक्टर-52 की तरफ जा रहे बाइक सवार को अज्ञात वाहन ने टक्कर मारकर घायल कर दिया।

उपचार के दौरान बाइक सवार की मौत हो गई। हादसे के बाद वाहन चालक भाग गया। सेक्टर-113 थाने की पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। सेक्टर-112 निवासी ज्योति ने पुलिस को बताया कि उसके पति रंजीत कुमार बीते दिनों पर्थला चौक से सेक्टर-52 की तरफ बाइक से जा रहे थे।

राश्ते में अज्ञात वाहन के चालक ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। सिर समेत शरीर के अन्य हिस्से में चोट लगने से रंजीत जख्मी हो गए। राहगीरों की मदद से उनको अस्पताल में भर्ती कराया गया। उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। घटनास्थल पर मौजूद लोगों का कहना है कि टक्कर मारने के बाद आरोपी चालक घायल को अस्पताल पहुंचाने के बजाय भाग गया। हादसे में बाइक भी पूरी तरह से क्षतिग्रश्त हो गई। पुलिस ने आरोपी चालक की तलाश शुरू कर दी है।

बदमाशों सुराना गांव में दीवार फांदकर घर में घुसे 35 लाख की चोरी

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

मुरादनगर थानाक्षेत्र के गांव सुराना में दीवार फांदकर घर में घुसे बदमाश पांच लाख रुपये की नकदी व तीस लाख रुपये कीमत के सोने के जेवरात चोरी करके ले गए। वारदात के समय परिवार के लोग सो रहे थे। इस संबंध में थाने में तहरीर दी है।

पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर बदमाशों को जल्द गिरफ्तार करने की बात कह रही है। गांव सुराना निवासी किसान रामवीर सिंह परिवार सहित रहते है। रविवार सुबह चार बजे रामवीर सिंह की चारपाई से उठे तो यह देखकर हक्के बक्के रह गए कि घर के कमरे के दरवाजे खुले हुए थे और सारा सामान इधर उधर बिखरा पड़ा।

रामवीर सिंह ने बताया कि शनिवार रात को दीवार फांदकर बदमाश घर के अंदर आए। बदमाशों ने कमरे का ताला तोड़कर सेफ में रखे 5.12 लाख रुपए की नकदी व तीस लाख से अधिक कीमत के सोने चांदी के जेवरात चोरी करके ले गए।

उन्होने बताया कि वारदात के समय परिवार के सभी लोग अपने अपने कमरे में सो रहे थे। इसके अलावा बदमाशों ने हरचंद यादव के मकान भी धावा बोलकर बीस हजार रुपए की नकदी व सोने चांदी के जेवरात चोरी करके ले गए। एक ही रात में दो मकानों में हुई चोरी की वारदात के बाद ग्रामीणों में रोष व्याप्त है।

ग्रामीणों का कहना है कि पुलिस रात्रि गश्त नहीं करती है। जिस कारण चोरी की वारदातों में इजाफा हो रहा है। एसीपी का कहना है कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी। जल्द ही वारदात को अंजाम देने वाले बदमाशों को पकड़ लिया जाएगा।

डीजी कारागार ने जिला जेल का किया औचक निरीक्षण, भोजन की गुणवत्ता को बताया उत्तम

✷ **एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा** ✷

जनपद गौतमबुद्ध नगर के लुक्सर स्थित जिला कारागार का पुलिस महानिदेशक/महानिरीक्षक कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाएं पीसी मीना ने रविवार को आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बंदियों के लिए बन रहे भोजन की गुणवत्ता को परखने के साथ ही महिला बैरक में निरूद्ध महिला बंदियों से बातचीत की। इस दौरान पुलिस उप महानिरीक्षक कारागार मेरठ परिक्षेत्र मेरठ सुभाष चन्द्र शाक्य सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहें।

निरीक्षण के दौरान पुलिस महानिदेशक पीसी मीना द्वारा कारागार महिला बैरक में निरूद्ध महिला बंदियों पिंकी, प्रीति गुप्ता, हेमा तोमर एवं विदेषी बंदी अकीमोवा से उनकी समस्याओं के संबंध में बातचीत की गयी। किसी भी महिला बंदी द्वारा कोई शिकायत नहीं बतायी गयी। पुलिस महानिदेशक ने महिला बंदियों के साथ रह रहे बच्चों को बिस्कुट, चिप्स, कुरकुरे आदि का वितरण किया गया। इसके बाद उन्होंने कारागार के कौशल-विकास केन्द्र का निरीक्षण किया।

इस मौके पर कौशल-विकास केन्द्र में बंदियों द्वारा सिलाई प्रशिक्षण, हेयर कटिंग प्रशिक्षण, कम्प्यूटर प्रशिक्षण, डांस व संगीत कार्यक्रम का प्रदर्शन किया गया। बंदियों द्वारा 'दिल है हिस्दुश्तानी' की थीम्स पर प्रश्तुति दी गयी। इसके अतिरिक्त कारागार में वर्मी कम्पोस्ट खाद उत्पादन एवं बाग में मधुमक्खी पालन से प्राप्त शहद उत्पादन का भी पुलिस महानिदेशक द्वारा निरीक्षण किया गया। वर्मी कम्पोस्ट एवं शहद का और अधिक उत्पादन करते हुए जेल ब्रांडिंग के साथ स्थानीय बाजार में जनमानस को उपलब्ध कराये जाने की उन्होंने अपेक्षा की।

इस मौके पर पुलिस महानिदेशक ने जेल परिसर में सफेद चंदन तथा पुलिस उप महानिरीक्षक कारागार ने बहेड़ा के पौधे का रोपण किया। इसके उपरांत दोनों अधिकारियों द्वारा कारागार के सर्किल नंबर-2 का भ्रमण किया गया तथा पाकशाला में तैयार भोजन का निरीक्षण किया गया।

यहां पर बंदियों के लिए निर्मित भोजन में सब्जी-आलू, भिण्डी, अरहर की दाल व चावल, रोटी बनाया गया था। पाकशाला में बंदियों के लिए बने भोजन को पुलिस महानिदेशक एवं पुलिस उप महानिरीक्षक द्वारा स्वयं भोजन खाकर चेक किया गया तथा भोजन की गुणवत्ता को अच्छा बताया गया। इसके अतिरिक्त कारागार की बैरक संख्या-8ई का निरीक्षण किया गया। इस बैरक में निरूद्ध विदेशी बंदियों से उनके केस के संबंध में तथा उन्हें किसी प्रकार की समस्या के संबंध में जानकारी ली गयी। किसी भी बंदी द्वारा कोई समस्या नहीं बतायी गयी। उन्होंने कारागार चिकित्सालय का भी निरीक्षण किया।

भर्ती बीमार बंदियों से उनकी समस्याएं और दवा आदि के मिलने के संबंध में जानकारी की गयी। कारागार के कन्ट्रोल रूम का भी निरीक्षण किया गया। यहां स्थापित सभी कैमरे क्रियाशील पाये गये। इस अवसर पर जेल अधीक्षक बृजेश कुमार व अधीक्षक राजीव कुमार सिंह, जेलर संजय कुमार शाही, जेलर राजेश कुमार मौर्या सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

पांच वाहन चोर गिरफ्तार, एक कटी बाइक सहित चार बरामद

✷ **एनसीआर टुडे. बिजनौर** ✷

कोतवाली पुलिस ने पांच वाहन चोरों को गिरफ्तार कर उनकी निशानदेही पर तीन बाइक व एक कटी बाइक बरामद की है। पुलिस वाहन चोरों का चालान कर दिया है।

शहर कोतवाली ने मुखबिर की सूचना पर चैकिंग के दौरान अमित चौधरी पुत्र मुन्नु चौधरी निवासी मौहल्ला प्रतापनगर थाना रामराज मुजफ्फरनगर व हरदेव पुत्र शोभा सिंह निवासी शहजादपुर थाना हश्तिनापुर मेरठ को चोरी की बाइक यूपी 20 सीजे 8706 व यूपी 20 बीजे 1597 सहित गिरफ्तार किया।

वाहनों से पूछताछ के बाद इनके साथी सचिन पुत्र सतीश ग्राम जलालपुर नीला, मोनू सिहं पुत्र ऋषिपाल सिहं निवासी ग्राम तारापुर व प्रमोद कुमार पुत्र धीर सिहं निवासी ग्राम लतीफपुर थाना हश्तिनापुर मेरठ को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके कब्जे से 01 बाइक यूपी 20 एक्स 0110, एक प्लास्टिक बोरे में बाइक का इंजन पार्टस व मोटरसाइकिल खोलने के उपकरण बरामद किए।

पुलिस ने पांचों का चालान कर दिया। काटकर पुर्जे बेचते थे सश्ते दामों पर हरदेव व अमित बिजनौर के रोडवेज बस स्टैंड, अस्पताल, मॉल व अन्य मुख्य स्थानों से चोरी करते थे।

चोरी की गयी बाइकों को सचिन, मोनू व प्रमोद बाइकों को काटकर उनके पुर्जों को अलग कर सश्ते दामों पर विक्रय कर देते थे।

सिपाही की कार ट्रक में घुसी, मौत

✷ **एनसीआर टुडे. हल्दौर** ✷

सड़क किनारे खराब खड़े ट्रक में एक सिपाही की कार पीछे से घुस गई, जिससे सिपाही गंभीर रूप से घायल हो गया, सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने सिपाही को अस्पताल में भर्ती कराया जहां चिकित्सकों ने उसे घोषित कर दिया।

सिपाही की मौत से परिजनों में कोहराम मचा है, वहीं पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया तथा अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है।बीती की देर रात बिजनौर नूरपुर मार्ग पर गोलबाग चौराहे के पास एक स्विफ्ट कार यू के 08 एबी 1060 सड़क किनारे खराब खड़े ट्रक संख्या एच आर 74 ए 3989 में पीछे से घुस गई। जिसमें कार सवार अनुज चिकारा 35 वर्ष पुत्र ऋषिपाल निवासी ग्राम मारूफपुर थाना हीमपुर दीपा बिजनौर गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुँची स्थानीय पुलिस ने गंभीर रूप से घायल अनुज को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां पर चिकित्सको ने अनुज चिकारा को मृत घोषित कर दिया गया।

बताया जाता है कि अनुज चिकारा वर्तमान में उत्तर प्रदेश पुलिस में जनपद रामपुर के थाना शाहाबाद में आरक्षी के पद पर तैनात है। तथा वह अपने घर पर अवकाश पर आया हुआ था। पुलिस ने मृतक अनुज के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

✷ **एनसीआर टुडे. झालू** ✷

निकटवर्ती ग्राम खारी में एक दुखद घटना सामने आई है, जहां 45 वर्षीय भूरे, जो पूर्व प्रधान अब्दुल गफूर के पुत्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक के परिवार में पांच बेटियां और एक बेटा है, जिसे उन्होंने अपने साले से गोद लिया था।

सूत्रों के अनुसार, आर्थिक तंगी के चलते भूरे ने यह कदम उठाया। वह लकड़ी कटाने का काम करता था और नशे का आदी बताया जाता है।

मृतक की पहचान भूरे, उम्र 45 वर्ष, पुत्र अब्दुल गफूर, पूर्व प्रधान के रूप में हुई है। उनके परिवार में पांच बेटियां और एक गोद लिया हुआ बेटा है।आर्थिक तंगी के कारण आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है।

मृतक लकड़ी कटाने का काम करता था और नशे का आदी था।

आर्थिक तंगी और नशे की लत को आत्महत्या के संभावित कारणों के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि, अभी तक पुलिस आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस और प्रशासन मामले की जांच में जुट गए हैं।

मृतक के परिवार में शोक की लहर है। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है, लेकिन अभी तक इसकी पुष्टि नहीं हुई है। परिवार को इस कठिन समय में सांत्वना देने के लिए क्षेत्र के गणमान्य लोग पहुंच रहे हैं।

दो बहनों के इकलौते भाई ने फांसी के फंदे पर लटक कर मौत को गले लगाया, परिवार में कोराहम

घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं फैली, परिजनों का रो- रो कर बुरा हाल

✷ **एनसीआर टुडे. बिजनौर** ✷

किशोर के इस कदम से परिजनों में कोहराम मच गया। घटना के वक्त घर पर केवल किशोर की मां ही मौजूद थी। जबकि पिता हरिद्वार प्राइवेट नौकरी करते है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुँच गई।

मृतक दो बहनों का इकलौता भाई था। पुत्र की मौत की खबर उसके पिता को दे दी गई है। जानकारी के अनुसार मोहल्ला वीरथला निवासी संजय हरिद्वार में रहकर प्राइवेट नोकरी करते है। घर पर उनका पुत्र आदित्य 15 वर्ष व मां निर्मल रहती है। जबकि बेटियां भी हरिद्वार ही रहती है।

निर्मल के अनुसार शुक्रवार की रात लगभग 11 बजे उनका पुत्र आदित्य छत पर सोने को कहकर ऊपर चला गया था जबकि वह नीचे कमरे में सो रही थी। शनिवार की सुबह पुत्र के नही जागने पर जब वह पुत्र को उठाने के लिए छत पर गई तो देखा कि आदित्य फांसी के फंदे से लटका हुआ था। जिसे देख कर उसकी चीख निकल गई। किशोर द्वारा फांसी लगा लिए जाने की सूचना से आसपड़ोस के लोग भी मौके पर पहुँच गए।

उधर सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुँची और आवश्यक जानकारी ली। मृतका की माँ का रो रोकर बुरा हाल था। और बार बार कह रही थी कि उसका मोबाइल चेक करो। जो भी कुछ है वो मोबाइल में ही होगा। उसका इशारा था कि पुत्र द्वारा फांसी लगाए जाने का राज शायद मोबाइल से खुल जाए। कक्षा 10 का छात्र था मृतक बताया जाता है कि मृतक आदित्य धामपुर के शिखर शिशु सदन में कक्षा 10 का छात्र था। तथा अपनी कक्षा का होनहार छात्र था। आर्थिक तंगी व कर्ज की मार से परेशान होकर मृतक के पिता फिलहाल ही हरिद्वार काम करने गए थे

मृतक आदित्य

बतादें कि मृतक के पिता संजय कुमार के पास बैंक ऑफ बड़ोदा की मिनी ब्रांच थी। आरोप है कि इस दौरान संजय कुमार के ऊपर गबन का आरोप लगा तथा बैंक ने उसकी ब्रांच निरश्त कर दी। गबन के आरोप के दौरान वह काफी कर्जदार हो गया। तथा कर्जा चुकाने के लिए उसने अपना मकान भी बेच दिया था।

अपने ही मकान में किरायेदार के रूप में रह रहा था। आर्थिक तंगी व कर्ज से परेशान संजय हरिद्वार प्राइवेट जॉब करने चला गया था। और घटना के वक्त हरिद्वार ही था। आत्महत्या को लेकर तरह तरह की चर्चाएं किशोर द्वारा फांसी लगाए जाने को लेकर नगर में तरह तरह की चर्चाएं है।

सूत्रों का कहना है कि मृतक किशोर के पिता पर लगे गबन के आरोप को लेकर लोगो की छीटाकशी से किशोर डिस्प्रेशन में आ गया था और खुद को अपमानित महसूस करता था। शायद इसी के चलते किशोर ने उक्क्त दुःखद कदम उठाया हो।

वही कुछ लोग घटना को प्रेम प्रसंग से भी जोड़कर देख रहे है। मृतक दो बहनों का इकलौता सबसे छोटा भाई था। मृतक की बड़ी बहन सानिया हरिद्वार ही प्राइवेट जॉब करती है जबकि दूसरी बहन छवि स्नातक की छात्रा है।

भाजपा मंडल अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं संग सुना मन की बात कार्यक्रम

✷ **एनसीआर टुडे. झालू** ✷

रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 122वें संस्करण के माध्यम से देश को संबोधित किया।

भाजपा मंडल अध्यक्ष चिंकी गुप्ता ने बूथ संख्या 382 में कार्यकर्ताओं संग मन की बात को सुना और डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित किए तत्पश्चात एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम अंतर्गत वृक्ष ओपन किया कार्यकर्ताओं से आत्मसात करने पर जोर दिया। इस बार मन की बात में प्रधानमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सैनिकों द्वारा दिखाए गए पराक्रम की सराहना की। जिसने हर भारतीय को गौरवान्वित किया है।

उन्होंने कई दिलचस्प विषयों परफ जानकारी साझा की। जिसमें महाराष्ट्र का एक गांव, जहां पहली बार बस पहुंची है। शेरों की बढ़ती आबादी, सिक्किम की पारंपरिक बुनाई और ड्रोन दीदी शामिल हैं।

संपादकीय

मीर जाफरों की फौज से निजात पाये बिना स्थाई शान्ति असम्भव

वर्तमान समय में देश बाह्य और आन्तरिक दुश्मनों से एक साथ जूझ रहा है। सीमापार से आने वाले आतंकवादियों, घुसपैठियों तथा षडयंत्रकारियों के लिए तो सेना के जवान मुस्तैदी से सेवायें दे रहे हैं परन्तु सीमा के अन्दर नागरिकों के वेश में छुपे मीर जाफरों, उनके आकाओं और सफेदपोश संरक्षकों से निपटना बेहद मुश्किल होता जा रहा है। समाज के प्रत्येक वर्ग में राष्ट्रद्रोहियों की संख्या में इजाफा हो रहा है।

विदेशी षडयंत्र का सक्रिय हिस्सा बनकर अपने ही देश को नश्तनाबूद करने की कसम खाने वाले पैसा, पद और प्रतिष्ठा के लिए किसी भी हद तक गिरने को तैयार बैठे हैं। 'भारत तेरे टुकडे होंगे, इंशा अल्लाह-इंशा अल्लाह'के नारे बुलंद करने वालों को एक राजनैतिक दल ने न केवल खुला समर्थन दिया था बल्कि पार्टी का सक्रिय सदस्य बनाकर चुनावी जंग में भी उतारा था। कश्मीर के पत्थरबाजों को मासूम बताने वाली पार्टी के जन्मजात मुखिया ने तो आपरेशन सिंदूर के संदर्भ में भी दुश्मन को लाभ देने वाले प्रश्नों की झडी लगा दी थी।

हमारी सेना के नुकसान का विवरण मांगकर दुश्मन को सटीक मूल्यांकन करने का खुला मौका देकर उसके भावी षडयंत्र को घातक बनाने में सहयोग करने की नियत साफ जाहिर हो गई थी।

विदेशों में जाकर देश को कोसने, आन्तरिक मामलों में बाह्य दखल का आमंत्रण देने तथा दुश्मनों के साथ गलबहियां करने की अनगिनत घटनायें साइबर रिकार्ड में आज भी देखी जा सकतीं हैं।जब-जब सेना ने सीमापार जाकर दुश्मनों के दांत खट्टे किये, तब-तब चन्द लोगों के पेट में असहनीय पीडा उठी।

इन लोगों में अनेक राजनैतिक नेताओं, कथित बुद्धिजीवियों और स्वयंभू प्रतिष्ठितजनों के चेहरे बार-बार सामने आते रहे हैं। ऐसे ही कुछ काले कोटधारियों की जमातें ही लगभग सभी देशद्रोहियों के बचाव में न्यायालयों में चौखट पर हमेशा माथा पटकती नजर आती रहीं। वे न्याय व्यवस्था की सहजता का लाभ उठाकर उसकी मनमानी व्याख्याओं में न्यायाधीशों को उलझाने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं।

इनमें से अनेक तो काले कोट के साथ-साथ खद्दर की पोशाक के लिए भी अधिकृत हैं। पार्टी लाइन पर काम करते हुए राष्ट्र के लिए घातक कृत्यों के कीर्तिमान स्थापित करने वाले इन चन्द लोगों ने कानून के क्षेत्र में भी अपनी कुटिलता का हमेशा ही नारा बुलंद किया है। कलम को कमाई का कारोबार बनाने वाले अनेक लोगों ने मनगढन्त कहानियां लिखने, भ्रम फैलाने और समाज को गुमराह करने का सीमापार से ठेका ही ले लिया है।

उनकी आय के गुप्त स्रोत तेजी से विकसित हो रहे हैं, विलासता के संसाधनों में बाढ आ रही है और चल निकला है कथित संस्थाओं व्दारा प्रायोजित सम्मान पाने का सिलसिला। विदेशी पैसों पर ऐश करने वाले यह लोग निरंतर नकारात्मकता फैलाने का काम कर रहे हैं ताकि उनका अन्तिम संस्कार नोटों की गड्डियों पर हो सके।

साइबर का सहारा लेकर राष्ट्रद्रोह की नई परिभाषायें लिखने में मसरूफ लोगों ने अपनी पहुंच देश के लगभग सभी क्षेत्रों में बना ली है। वे वक्त के मुताबिक चन्द मिनिटों में ही कभी भीड की शक्ल में हमलावर हो जाते हैं तो कभी अपने आका के इशारे पर असामाजिक कृत्यों को अंजाम तक पहुचाने हेतु उतावले हो जाते हैं।

उन्हें विश्वास है कि पुलिसिया प्रहार, कानूनी दण्ड और सामाजिक बहिस्कार से बचाने के लिए प्रभावशाली लोग तत्काल उन्हें अपनी सुविधायें मुहैया करा देंगे। मीर जाफरों के सुरक्षा कवच में काम करने वाले इन घातक जेहादियों को न केवल नियमित रूप से धनराशि मिलने के तथ्य उजागर हुए हैं बल्कि उनके रुतबे को बढाने के लिए राजनैतिक दलों व्दारा ओहदों से भी नवाजे जाने की स्थितियां भी सामने आईं है। झंडा, निशान और कुर्सी की दम पर अधिकारियों को झुकाने का अधिकार पाते ही उनके नीचे भी सिपहासालारों का हुजूम बढने लगता है।

कभी सम्प्रदाय के नाम पर चिल्ला चोट होने लगती है तो कभी किसानों की आड में असामाजिक तत्वों का जमावडा देखने को मिलता है। कभी व्यापारी हितों का नारा बुलंद करके उपद्रवियों का आक्रोश सामने आता है तो कभी मौलिक अधिकारों की दुहाई पर घातक मंसूबे देखने को मिलते हैं। आपरेशन सिंदूर के बाद कश्मीर में चलाये जाने वाले आपरेशन मीरजाफर को केवल वहां पर मौजूद आतंकियों के सहयोगियों, आश्रयदाताओं और सुविधादाताओं तक ही सीमित नहीं रखा जाना चाहिये बल्कि उसे देश के सभी क्षेत्रों में बहुत सावधानी से चलाया जाना चाहिए।

सूत्रों की माने तो सभी कस्बों, नगरों और महानगरों में अतिक्रमण करके पूर्व नियोजित योजना के तहत किले के रूप में बसाई गई तंग गलियों वाली अवैध बश्तियों में सैकडों नहीं, हजारों नहीं बल्कि लाखों, करोडों असलहे, बम तथा अन्य घातक साज-ओ-सामान मौजूद है।

इन बश्तियों में अनेक आपराधिक कृत्य खुलेआम हो रहे हैं जिनकी जानकारियां वहां के अनेक स्थानीय अधिकारियों को रहती है किन्तु किन्हीं खास कारणों से वे सब कुछ जानते-बूझते हुए भी अनजान बने रहने का ढोंग रचाते हैं। लालफीताशाही, खाकी और खद्दर के चन्द नामची लोगों के खुले संरक्षण में पनप रही यह जहरीली पौध अब समूचे देश में फैल चुकी है।

इन मीर जाफरों की फौज से निजात पाये बिना स्थाई शान्ति असम्भव है। इसके लिए कानून, नियमों और आदेशों की नहीं बल्कि कार्यपालिका की इच्छा शक्ति आवश्यक है अन्यथा कागजी घोडों की रेस में समीक्षा आख्या, प्रगति रिपोर्ट, आदेश अनुपालन पत्रावली जैसे कारकों की ही प्रतिस्पर्धा होती रहेगी। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नई आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

गाजा में बीमार भूखे फिलिस्तीनियों की हत्याएं, त्रासदी

असद मिर्जा

दक्षिणी शहर राफा में गवाहों ने कहा कि इजरायली सैनिकों ने गोलीबारी की, क्योंकि भीड़ जीएचएफ द्वारा संचालित एक अन्य खाद्य वितरण स्थल तक पहुंचने की कोशिश कर रही थी। दो गवाहों ने कहा कि वितरण स्थल से कई सौ मीटर दूर शाकौश क्षेत्र में हजारों फिलिस्तीनियों के इकट्ठा होने पर इजरायली सैनिकों ने गोलीबारी शुरू कर दी।

इजरायल-ईरान मिसाइल युद्ध ने जहां एक ओर वैश्विक ध्यान आकर्षित किया है, वहीं गाजा में निर्दोष और निहत्थे फिलिस्तीनियों की इजरायल द्वारा हत्या को लगभग अनदेखा किया गया। कथित तौर पर, अमेरिकी राहत संगठन द्वारा चलाये जा रहे सहायता केंद्रों या खाद्य केंद्रों के पास 450 फिलिश्तीनियों की हत्या की खबर आयी है। लेकिन तथाकथित इस्लामी देश और यहां तक कि भारत, जिसने हमेशा फिलिश्तीनी मुद्दों की वकालत की है, चुप है। सवाल यह है कि हम कब तक इजरायली सेना द्वारा भूखे फिलिश्तीनियों की इन क्रूर और अमानवीय हत्याओं को जारी रहने देंगे। पिछले 14 दिनों से ऐसा लग रहा है कि दुनिया गाजा को भूल गयी है। इन 14 दिनों के दौरान इजरायल रक्षा बल (आईडीएफ) द्वारा निहत्थे फिलिश्तीनियों को गोली मारे जाने की कई रिपोर्टें सामने आयी हैं।

17 जून को, दक्षिणी गाजा में इजरायली सेना द्वारा अमेरिकी-इजरायली सहायता के वितरण के दौरान एक ही दिन में 70 फिलिश्तीनी मारे गये - विशेष रूप से खान यूनिस और राफा में।

डेली टाइम्स ऑफ इजरायल ने 25 जून को रिपोर्ट की कि गाजा में, इजरायली बलों ने (24 जून को 71 फिलिश्तीनियों को मार डाला, जिनमें कम से कम 50 लोग ऐसे थे जो सहायता प्राप्त करने की प्रतीक्षा कर रहे थे। मृतकों में कम से कम 27 लोग शामिल हैं जो मध्य गाजा में भोजन की प्रतीक्षा कर रहे नागरिकों पर इजरायली हमले में मारे गये, एक ऐसा हमला जिसमें दर्जनों लोग घायल भी हुए और एक राहत स्थल को एक फिलिश्तीनी अधिकारी ने 'मौत का खुला मैदान' कहा।

कथित मौतों पर प्रतिक्रिया देते हुए, इजरायली रक्षा सेना (आईडीएफ)ने बाद में कहा कि मध्य गाजा में नेत्जारिम गलियारे में उसके सैनिकों ने 'आसन्न' क्षेत्र में रात भर एक भीड़ की पहचान की गयी थी, जहां अमेरिका और इजरायल समर्थित गाजा मानवतावादी फाउंडेशन (जीएचएफ) सहायता समूह को भोजन वितरित करने के लिए जाना जाता है।

इस महीने की शुरुआत में, आईडीएफ ने फिलिश्तीनियों को स्थानीय समयानुसार शाम 6 बजे से सुबह 6 बजे के बीच गाजा मानवतावादी फाउंडेशन साइटों की ओर जाने वाले मार्गों पर न जाने की चेतावनी दी थी, उन सड़कों को बंद सैन्य क्षेत्र बताया था। हालांकि, जीएचएफ ने विरोधाभासी रूप से संकेत दिया है कि यह उन घंटों के दौरान खुला हो सकता है। मध्य गाजा में, तीन गवाहों ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि सेना ने तब गोलीबारी की जब लोग वादी गाजा के दक्षिण में सहायता ट्रकों की ओर पूर्व की ओर बढ़ रहे थे। 'यह एक नरसंहार था,' अहमद हलावा ने कहा। उन्होंने कहा कि टैंकों और ड्रोन ने लोगों पर गोलीबारी की, 'जब हम भाग रहे थे। कई लोग या तो शहीद हो गये या घायल हो गये।'

एक अन्य प्रत्यक्षदर्शी, होसम अबूशाहदा ने कहा कि ड्रोन क्षेत्र के ऊपर उड़ रहे थे, भीड़ पर नज़र रख रहे थे, फिर जब लोग पूर्व की ओर बढ़ रहे थे, तो टैंकों और ड्रोन से गोलीबारी हुई। उन्होंने लोगों द्वारा भागने की कोशिश के दौरान एक 'अराजक और खूनी' दृश्य का वर्णन किया। दक्षिणी शहर राफा में गवाहों ने कहा कि इजरायली सैनिकों ने गोलीबारी की, क्योंकि भीड़ जीएचएफ द्वारा संचालित एक अन्य खाद्य वितरण स्थल तक पहुंचने की कोशिश कर रही थी। दो गवाहों ने कहा कि वितरण स्थल से कई सौ मीटर दूर शाकौश क्षेत्र में हजारों फिलिश्तीनियों के इक_ा होने पर इजरायली सैनिकों ने गोलीबारी शुरू कर दी।

हमास स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा शनिवार को

जारी किये गये आंकड़ों के अनुसार, मई के अंत से सहायता मांगते समय इजरायली गोलीबारी में कम से कम 450 लोग मारे गये और लगभग 3,500 घायल हुए। बचाव कर्मियों के अनुसार, कई घटनाएं जीएचएफ द्वारा संचालित स्थलों के पास हुईं।

सहायता वितरण में हमास को रोकने के लिए स्थापित अमेरिका और इजरायल समर्थित संगठन जीएचएफ ने मंगलवार को इजरायली सेना से शिकायत की कि वादी गाजा साइट की ओर जा रहे 'हमारे काफिलों पर इजरायली सैनिकों द्वारा संभावित उत्पीड़न' किया जा रहा है। इजरायल ने कहा कि 79 मानवीय सहायता ट्रक सोमवार को केरेमशालोम और ज़ीकिम क्रॉसिंग के माध्यम से गाजा पट्टी में प्रवेश कर गये, उसने वितरण स्थलों के पास संदिग्ध लोगों पर चेतावनी शॉट फायर करने की बात स्वीकार की है, लेकिन नागरिकों को निशाना बनाने या युद्ध के हथियार के रूप में भुखमरी का उपयोग करने से इनकार किया है, और हमास पर सहायता वितरण को हाईजैक करने और नागरिकों के बीच घुसने का आरोप लगाया है।

जेनेवा में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रवक्ता थामीनअल-खेतन ने कहा, 'इजरायल ने मानवीय सहायता तंत्र का सैन्यीकरण कर दिया है।'

यह पूछे जाने पर कि क्या इजरायल खाद्य वितरण को हथियार बनाने का दोषी है, उन्होंने कहा, 'कानूनी निर्धारण न्यायालय द्वारा किया जाना चाहिए। लेकिन, नागरिकों के लिए खाद्य पदार्थों का हथियारीकरण, जीवन-निर्वाह सेवाओं तक उनकी पहुंच को प्रतिबंधित करने या रोकने के अलावा, एक युद्ध अपराध है और, कुछ परिस्थितियों में, अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अन्य अपराधों के तत्व भी बन सकते हैं।'

फिलिश्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र एजेंसी के प्रमुख ने भी जीएचएफ प्रणाली पर निशाना साधा। यूएनआरडब्ल्यूए प्रमुख फिलिप लाज़ारिनी ने बर्लिन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'नवनिर्मित तथाकथित सहायता तंत्र एक घृणित चीज़ है, जो हताश लोगों को अपमानित करती है। यह एक मौत का जाल है जो बचाने से ज़्यादा लोगों की जान ले लेता है।'

'यूएनआरडब्ल्यूए सहित मानवीय समुदाय के पास विशेषज्ञता है और उन्हें अपना काम करने और सम्मान और गरिमा के साथ सहायता प्रदान करने की अनुमति दी जानी चाहिए,' लाज़ारिनी ने कहा। 'गाजा पट्टी में भूखमरी की चुनौतियों का समाधान करने के लिए कोई अन्य विकल्प नहीं है।'

इज़राइल ने यूएनआरडब्ल्यूए पर हमास के गुर्गों को प्रश्रय प्रदान करने का आरोप लगाया है और इस वर्ष की शुरुआत में एजेंसी को इज़रायली धरती पर काम करने या अधिकारियों से संपर्क करने पर प्रतिबंध लगा दिया है।

संयुक्त राष्ट्र और प्रमुख सहायता समूहों ने जीएचएफ के साथ सहयोग करने से इनकार कर दिया है क्योंकि उन्हें लगता है कि इसे इज़रायली सैन्य उद्देश्यों को पूरा करने के लिए तैयार किया गया था। मार्च की शुरुआत में हमास के साथ पिछले युद्धविराम-बंधक समझौते के टूटने के बाद इज़रायल द्वारा पट्टी पर लगाये गये लगभग तीन महीने के नाकेबंदी के बाद जीएचएफ ने गाजा में 19 मई से काम करना शुरू किया है।

यह आश्चर्य की बात है कि तथाकथित इस्लामी देशों में से किसी ने न तो हत्याओं की गंभीर निंदा की है और न ही सहायता योजना ही बनायी है। इस्लामी देशों का सबसे बड़ा संगठन आईओसी अपने पड़ोस में ही मारे जा रहे मुसलमानों से ज़्यादा भारतीय मुसलमानों की दुर्दशा के बारे में चिंतित है।

वेबसाइट ट्रुथआऊटडॉटऑर्ग में अपने लेख में दलिया अबू रमज़ान ने सही कहा है कि गाजा में मानवीय संकट सिर्फ एक मानवीय त्रासदी नहीं है,यह इस भूमि पर हर जीवित प्राणी के लिए एक व्यापक आपदा है। युद्ध की शुरुआत से ही, जानवरों को भी नहीं बख्शा गया है - घोड़ों और गधों को जानबूझ कर मार दिया जाता है और नष्ट कर दिया जाता है ताकि वे हमें चलने और जीवित रहने में मदद न कर सकें। जानवरों को जानबूझ कर निशाना बनाना आबादी को स्थिर करने और हमारी पीड़ा को बढ़ाने की एक व्यवस्थित रणनीति का हिस्सा है। ये जानवर, जो कभी हमारे जीवन का अभिन्न अंग और समर्थन का एक महत्वपूर्ण स्रोत थे, अब भूख और जानबूझ कर हत्या के कारण मौत के कगार पर हैं, दलिया ने लिखा।

ईरान ने स्वयंभू 'विश्व विजेताओं ' को दिखाया आईना

तनवीर जाफ़री

मध्य एशिया में मंडरा रहे युद्ध के बादल फ़िलिहाल छंटते हुये नज़र आ रहे हैं। 13 जून को इस्राईल ने ईरान पर अचानक बड़ा हमला कर दिया था। इन हमलों में ईरान के उच्चश्तरीय 20 कमांडर और परमाणु वैज्ञानिक मारे गए थे। इसके बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाइयां कीं। दोनों ओर से ड्रोन व मिसाइल की बौछार 12 दिनों तक होती रही।

इस्राईल के इतिहास में यह पहला मौक़ा था जब ईरान जैसे किसी देश ने धोखे से किये गये उसके हमलों का ऐसा मुंहतोड़ जवाब दिया जिसकी इस्राईल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू या इस्राईल की जनता ने भी कभी कल्पना नहीं की होगी।

इस्राईल बनाम ईरान संघर्ष में इस्राईल के वजूद से सम्बंधित कुछ बातें कभी भी नज़रअंदाज़ नहीं की जा सकतीं। जर्मन तानाशाह एडोल्फ़ हिटलर के उत्पीड़न के बाद यहूदी मुख्य रूप से 1930 के दशक से 1940 के दशक के बीच फ़लिश्तीनियों की अनुकम्पा से यहाँ बसने लगे। इस दौरान, लगभग 2,50,000 यहूदी फ़लिश्तीन पहुंचे थे। द्वितीय विश्व युद्ध 1939-1945 के बाद, विशेष रूप से होलोकॉस्ट के बाद, 1945 से 1948 तक यहूदी प्रवास फिर से बढ़ा, और 1948 में इस्राईल की स्थापना के साथ यह प्रक्रिया और भी तेज़ हो गयी।

चूँकि इस्राईल को अरब के इस क्षेत्र में बसाने में पश्चिमी देशों ख़ासकर अमेरिका व ब्रिटेन की दूरगामी सोच काम कर रही थी इसलिये इन देशों ने इसे भरपूर समर्थन देकर न केवल इनके फलने फूलने में इस्राईल की पूरी मदद की बल्कि क़ब्ज़े की इस ज़मीन पर अपने विश्तार के लिये की जाने वाली हिंसक कार्रवाइयों में भी हमेशा इनके साथ रहे।

इसी अमेरिकी समर्थन का नतीजा है कि इस्राईल गत दो वर्षों में ग़ज़ा के लगभग 80 हज़ार बेगुनाह व निहत्थे लोगों को मार चुका है।और उसकी बर्बरतापूर्ण कार्रवाई अभी भी जारी है। दूसरी तरफ़ वह ईरान है जो पश्चिमी देशों की 'बांटो और राज करो' की नीति का शिकार होकर ऑर्गनाइज़ेशन ऑफ़ इस्लामिक कोऑपरेशन के 57 सदस्य देश होने के बावजूद पश्चिमी साज़शि के तहत केवल शिया-सुन्नी मतभेद के नाम पर हमेशा अलग थलग किया जाता रहा।

इसके अलावा 1979 में जबसे ईरान में अमेरिका परश्त शाह मोहम्मद रज़ा पहलवी का तख़्ता पलट हुआ और अयातुल्लाह रूहुल्लाह ख़ोमैनी के नेतृत्व में इस्लामी गणराज्य की स्थापना हुई तभी से ईरान अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों का भी सामना करता आ रहा है।

इस अमेरिकी विरोध की वजह केवल यह थी कि अयातुल्लाह ख़ोमैनी के नेतृत्व वाली इस्लामिक क्रांति ने ईरान को न केवल पश्चिमी सभ्यता से मुक्त कर ईरानी सभ्यता पर चलने की राह हमवार की बल्कि ईरान की तेल सम्पदा को लेकर अमेरिकी मनमानी किये जाने के अमेरिकी सपनों को भी चकनाचूर कर दिया। यही वजह थी कि अमेरिका ने ईरान के 1979 इस्लामिक क्रांति के बाद के शासन को 'कट्टरपंथी शासन ' कह कर संबोधित करना शुरू कर दिया। और पूरे विश्व में ईरान को लेकर यही धारणा बनाने की कोशिश भी की।

उधर ईरान के अतिरिक्त इस्लामी जगत के लगभग सभी शेष देश पश्चिमी देशों ख़ासकर अमेरिका की आँखों का तारा बने रहे। इसी लिये अमेरिका ने बहरीन,कुवैत,यूएई,इराक़,सऊदी अरब,जॉर्डन जैसे अनेक देशों को ईरान का भय दिखा कर इन देशों की सुरक्षा करने के नाम पर यहाँ अपने सैन्य ठिकाने बना रखे हैं।

कई अमेरिकी युद्धपोत भी इस क्षेत्र में सक्रिय हैं। अमेरिका यह सारी क़वायद केवल ईरान को घेरने की अपनी दूरगामी साज़शि के

तहत करता आ रहा है। उधर ईरानी नेतृत्व जिसकी बागडोर उन शिया उलेमाओं के हाथों में है जिनकी प्रेरणा का मुख्य स्रोत हज़रत अली व उनके पुत्र हज़रत इमाम हुसैन का वह घराना है जिसने लगभग 1450 वर्ष पूर्व करबला (इराक़) में अपनी व अपने परिजनों की क़ुर्बानी देकर इतिहास में सुनहरे अक्षरों में रहती दुनिया तक के लिये यह लिख दिया कि दुश्मन चाहे जितना ताक़तवर क्यों न हो परन्तु यदि वह क्रूर है,अमानवीय है,असत्य और हिंसा पर चलने वाला है,अधार्मिक है तो ऐसे दुश्मन के आगे सिर्फ़ उसकी ताक़त से प्रभावित होकर झुकना 'अधर्म ' है।

उस समय हुसैन ने यज़ीद की लाखों की सेना की परवाह नहीं की। जिसका नतीजा है कि आज पूरे विश्व में अली और उनके बेटे हुसैन का परचम लहराते देखा जा सकता है जबकि कोई मुसलमान अपने औलादों का नाम तक यज़ीद रखना पसंद नहीं करता।

उसी करबला से प्रेरणा लेकर ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह ख़ामनेई ने इतिहास में पहली बार वह कर दिखाया जिसकी दुनिया उम्मीद भी नहीं कर रही थी। ईरान की तरफ़ से इस्राईल पर इतने ज़बरदश्त जवाबी आक्रमण हुये कि यदि एक सप्ताह और युद्ध खिंचता तो संभवतः पूरा इस्राईल खंडहर में तब्दील हो जाता। उधर चतुर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प भी ईरानी आक्रामकता से भयभीत होकर अपनी इज़्ज़त बचाने के अवसर तलाशने लगे।

दुनिया में कोई देश ऐसा नहीं जो इस्राईल व अमेरिका को एक साथ चुनौती देने का साहस रखता हो। वर्तमान समय की सच्चाई तो यही है कि जैसे इलाक़े के गुंडे के साथ खड़े होकर लोग अपने आप को भी सूरमा समझने लगते हैं उसी तरह अमेरिका का पिछलग्गू या उसका चाटुकार बनना भी दुनिया के अनेक देश अपना सौभाग्य समझते हैं।

कुछ अमेरिकी शक्ति से प्रभावित होकर कुछ मधुर रिश्ते बनाये रखने की ख़ातिर तो कुछ व्यावसायिक दृष्टिकोण के मद्देनज़र। परन्तु ईरान अकेला ऐसा देश है जिसने 46 वर्षों के लम्बे अरसे का अमेरिकी प्रतिबंध झेलने के बावजूद अपने आप को इतना मज़बूत कर लिया कि इस्राईल को अपना अशितत्व ख़तरे में पड़ता नज़र आने लगा तो अमेरिका को अपनी झूठी आबरू बचाने की नौबत आन पड़ी।

बहरहाल, दोनों देशों के बीच युद्ध विराम की ख़बर से पूरी दुनिया ने चैन की सांस तो ज़रूर ली है। परन्तु इस युद्ध विराम को लेकर इस्राईल व अमेरिका द्वारा किये जा रहे भ्रामक दावों के बीच ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह ख़ामनई का बयान एक बार फिर ईरान के मज़बूत पक्ष व उसके बुलंद हौसलों की तस्वीर पेश करता है। आयतुल्लाह ने साफ़ साफ़ कहा है कि ईरान न तो 'थोपी गई जंग' स्वीकार करेगा और न ही 'थोपी गई शांति'।

ईरान किसी तरह के दबाव के आगे नहीं झुकेगा और किसी भी बाहरी हश्तक्षेप, ख़ासकर अमेरिका की सैन्य दख़लअंदाज़ी का कड़ा जवाब देगा। उन्होंने ने अमेरिका को साफ़ शब्दों में चेतावनी भी दी कि यदि वह इस्राईल-ईरान युद्ध में सैन्य हश्तक्षेप करता है तो उसे ऐसा नुक़सान झेलना पड़ेगा जिसकी भरपाई नहीं हो सकेगी। 'जंग का जवाब जंग से, बम का जवाब बम से, और हमले का जवाब हमले से' दिया जाएगा। यह बयान उनकी निडरता व उनके उस आक्रामक रुख़ को भी दर्शाता है, जिसमें उन्होंने यह स्पष्ट किया कि ईरान किसी भी हमले का जवाब उसी श्तर पर देगा और किसी तरह की कमज़ोरी हरगिज़ नहीं दिखाएगा।

ख़ामनई ईरान के सर्वोच्च नेता होने के साथ साथ देश के सशस्त्र बलों के कमांडर-इन-चीफ़ भी हैं। और सशस्त्र बलों के कमांडर-इन-चीफ़ होने के चलते ईरान के संविधान के अनुच्छेद 110 के तहत सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह खामनेई को ही युद्ध या शांति की घोषणा करने का अधिकार हासिल है।

लिहाज़ा कहना ग़लत नहीं होगा कि ईरान ने विश्व विजेता समझने की ग़लतफ़हमी पालने वाले देशों को अपनी जवाबी कार्रवाई और भविष्य के इरादों से उन्हें आईना ज़रूर दिखा दिया है।

भारत में यूरोपीय ढंग के राष्ट्रवाद की विकास यात्रा

राम पुनियानी

इन दिनों दि इंडियन एक्सप्रेस में हिंदू राष्ट्रवाद के उदय एवं प्रभुत्व पर योगेन्द्र यादव, सुहास पलसीकर एवं अकील बिलग्रामी जैसे मेधावी समाज विज्ञानियों के अत्यंत गहन विचार प्रकाशित हो रहे हैं। वे इस बात से चिंतित हैं कि भारतीय राष्ट्रवाद की वर्तमान अवधारणा यूरोपियन ढंग के राष्ट्रवाद जैसी है।

हम इसे हिन्दुत्व की राजनीति या हिंदू राष्ट्रवाद का नाम देते हैं। ये सभी यह स्वीकार करते हैं कि हिन्दू राष्ट्रवाद ही आज विद्यमान राष्ट्रवाद है।

इसमें कोई संदेह नहीं कि हिन्दू राष्ट्रवाद अत्यंत मुखर एवं प्रभुत्वशाली है। लेकिन फिर भी भारतीय राष्ट्रवाद का विचार अभी तक भारतीय समाज के बड़े तबके के दिलों में कायम है। यदि हम मतदान प्रतिशत की बात करें तो सन् 2024 के चुनाव में हिन्दू राष्ट्रवादी पार्टी को 36।5 प्रतिशत मत हासिल हुए थे और ऐसे आरोप थे कि इनमें से बहुत से वोट हेराफेरी और जोड़तोड़ के जरिए हासिल किए गए थे।

लेकिन फिर भी इन अध्येताओं की चिंताओं पर गहराई से विचार किया जाना जरूरी है। हिन्दू राष्ट्रवाद न केवल चुनावी राजनीति के माध्यम से सशक्त हो रहा है बल्कि इसने राष्ट्र के विभिन्न अंगों मंय घुसपैठ कर ली है और मीडिया व सोशल मीडिया के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया है। यादव कहते हैं कि आज के भारत में इस आक्रामक राष्ट्रवाद के बोलबाले के लिए वे सेकुलरवादी, अंतर्राष्ट्रीयतावादी व आधुनिकतावादी आचार-व्यवहार दोषी हैं जिन्हें आजादी के बाद के भारत में बढ़ावा दिया गया। इसके चलते हर किस्म के राष्ट्रवाद से किनारा कर लिया गया। राष्ट्रवाद का एक शून्य उत्पन्न हो गया जिसे आज राष्ट्र के हिन्दुत्वादी विचार ने भर दिया है''। पलसीकर का मानना है कि आज के हिन्दू राष्ट्रवाद की जडें उस राष्ट्रीय आन्दोलन में हैं जो आज से एक सदी से भी ज्यादा पहले भारत में चलाया गया था।

बिलग्रामी भारतीय लोकाचार की प्रशंसा इन शब्दों में करते हैं सदियों से भारतीय समाज की यह खासियत रही है कि वह बिना प्रयास किए और बिना ढोल पीटे धर्म और संस्कृति की दृष्टि से बहुवादी बना रहा।

इसके विपरीत, आज का यूरोपीय ढंग का राष्ट्रवाद विभाजित करता है और उसे एकता बताता है। पलसीकर के इस टिप्पणी कि हिन्दू राष्ट्रवाद की जड़ें आजादी के संघर्ष के काल में हैं के उत्तर में वे कहते हैं, ''इसमें कोई संदेह नहीं कि यह नजरिया आजादी के संघर्ष के दौरान मौजूद था किंतु गांधी और नेहरू के बोलबाले के कारण वह हाशिए पर रहा और इससे निश्चित ही कई सवाल उलझे हुए रह गए। किंतु यह पक्के तौर पर कहा जा सकता है यह मौजूदा हिन्दुत्व राष्ट्रवाद की जड़ नहीं है''। भारत के मौजूदा हालातों और हिन्दू राष्ट्रवाद के बढ़ते खतरे को समझने के लिए कुछ अन्य बिन्दुओं पर विचार करना आवश्यक है।

यूरोप में सार्वभौमिकता सम्राटों/राजाओं से आधुनिक केन्द्रीयकृत राज्य तक पहुंची। ऐसे राज्यों के उदित होने पर उनका साबका समाज के विभिन्न तबकों से पड़ा जिससे धर्मनिरपेक्षता की अवधारणा उत्पन्न हुई।

भारत में हम औपनिवेशिक शासन के अधीन रहे जिसने ज्यादातर राजाओं की सार्वभौमिकता को समाप्त कर उनके राज्यों को अपने अधीन कर लिया। आजादी के बाद ये औपनिवेशिक राज्य भारत का हिस्सा बने। यह भारत अपने संविधान के प्रावधानों के अनुसार संचालित होना था जो समावेशी था और किसी को दूसरा नहीं बताता था (योगेन्द्र यादव के शब्द)।

भारत इस राह पर चला और कम से कम सैद्धांतिक तौर पर आज भी वह भारतीय राष्ट्रवाद की राह पर चल रहा है। मगर आज हिंदू राष्ट्रवाद, भारतीय राष्ट्रवाद से बड़ा हो गया है। वह संकीर्ण है और यूरोपीय ढंग का है लेकिन जहाँ यूरोप में भाषा, धर्म और संस्कृति आधारित विभाजन और राष्ट्रवाद थे (मुख्यतः भाषा-आधारित), भारत में हिंदू और मुस्लिम राष्ट्रवाद का एकमात्र आधार धर्म था, जिसे साम्प्रदायिकता भी कहा गया।

आधुनिक कल-कारखानों, शिक्षा, परिवहन एवं संचार के साधनों के विकास के साथ ही भारतीय राष्ट्रवाद की जड़ें उभरना प्रारंभ हो गईं। इस राष्ट्रवाद के उभार में सहायक थे वे सामाजिक आंदोलन जो ऊंच-नीच के बंधनों को तोड़ रहे थे। नारायण मेघाजी लोखंडे व कामरेड सिंगरालू के नेतृत्व वाले आंदोलनों ने मजदूरों को संगठित किया।

जोतिबा फुले, सावित्रीबाई फुले, अंबेडकर और पेरियार ने सामाजिक समानता के लिए संघर्ष किया जो भारतीय राष्ट्रवाद का एक महत्वपूर्ण घटक है। गांधी और नेहरू ने औपनिवेशिक शासन के खिलाफ जनांदोलन का नेतृत्व किया। इस आंदोलन का लक्ष्य केवल देश की सार्वभौमिकता अंग्रेजों से छीनकर भारतीय निर्वाचित प्रतिनिधियों को सौंपना नहीं था बल्कि पूर्ण समावेशिता हासिल करना भी था।

इस भारतीय राष्ट्रवाद के सशक्त होने के साथ-साथ ही सामंती तत्वों ने उन प्रवृत्तियों की नींव डाली जिन्होंने अंततः हिंदू और मुस्लिम राष्ट्रवाद का स्वरूप लिया। इन प्रवृत्तियों का विश्वास था कि धर्म ही राष्ट्रवाद का आधार है। उन्हें राजाओं-नवाबों और समाज के कुलीन वर्गों का समर्थन मिला जिन्हें उस समय कायम किंतु अशत होते सामाजिक ढांचे में ऊंचा दर्जा हासिल था।

समय के साथ इसका नतीजा मुस्लिम लीग, हिंदू महासभा और आरएसएस की स्थापना के रूप में सामने आया। इससे अंग्रेजों को 'फूट डालो और राज करो' की अपनी नीति को लागू करने में मदद मिली और बाद में इसी के नतीजे में भारत का विभाजन हुआ।

भारत में हिंदू राष्ट्रवाद पहले ही काफी सशक्त हो चुका था और जर्मनी और इटली जैसे यूरोपीय राष्ट्रवाद इसके आदर्श थे। प्रशिक्षित स्वयंसेवकों और प्रचारकों के माध्यम से इसकी विचारधारा मुंहजुबानी प्रचार से देश के कोने-कोने में फैल गई। आजादी के तुरंत बाद यह स्पष्ट हो गया कि हिंदू राष्ट्रवाद कितना प्रबल है।

उसके पूर्व प्रचारक नाथूराम गोडसे ने उपनिवेश विरोधी आंदोलन के मुखिया, भारतीय राष्ट्रवाद के सबसे बड़े हिमायती, महात्मा गांधी के सीने में तीन गोलियां झोंक दीं। आरएसएस हिंदू राष्ट्रवाद का समर्थन करने वाला एकमात्र संगठन नहीं था। हिंदू महासभा भी थी और हिंदू राष्ट्रवादी तत्वों के एक तबके ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में भी घुसपैठ कर ली थी।

जवाहरलाल नेहरू को इसके कारण भारतीय राष्ट्रवाद के लिए उत्पन्न हुए खतरे का एहसास हो गया था किंतु विभिन्न कारणों से वे इसे जड़ से उखाड़ नहीं पाए, जिनमें से एक था भारत में जमींदारी प्रथा का कायम रहना। यह समाज में बढ़ती धार्मिकता में भी प्रतिबिंबित होता था।

स्पष्टतः हिंदू राष्ट्रवाद जाति एवं लिंग आधारित गैर-बराबरी के मामले में यथास्थिति कायम रखने का पक्षधर है। उसका समाज के कुछ विशिष्ट वर्गों पर प्रभाव तब साफ नजर आया जब गौवध के संबंध में एक कानून बनाने की मांग उठाई गई और हजारों साधु संसद के समक्ष एकत्रित हुए।

सन 1980 के दशक में उसका प्रभुत्व तब स्पष्ट दिखा जब यात्राओं के आव्हान किए गए और धार्मिक कट्टरता में जबरदश्त बढ़ोत्तरी हुई। शाहबानो मामले के बहाने मुसलमानों के तुष्टिकरण की बात लोगों के दिल में बिठा दी गई और राम मंदिर आंदोलन ने हिंदू राष्ट्रवाद के ज्वार का मार्ग प्रशश्त कर दिया।

पिछले कुछ दशकों से भारतीय राष्ट्रवाद की अभिव्यक्ति जितनी होनी चाहिए, उससे बहुत कम हो रही है। दक्षिणपंथी हिंदू राष्ट्रवाद को ही वाश्तविक राष्ट्रवाद के रूप में पेश करना चाहते हैं। क्या भारतीय राष्ट्रवाद के उच्चतम दर्जा हासिल करने की उम्मीद की जा सकती है? हां। हमने पिछले कुछ वर्षों में इसकी एक झलक देखी है।

भारत जोड़ो यात्रा और भारत जोड़ो न्याय यात्रा ने यह दिखाया कि हिंदू राष्ट्रवाद जहां काबिज हो गया है उस जगह को दुबारा हासिल किया जा सकता है।

दलितों, महिलाओं, आदिवासियों, मजदूरों और अल्पसंख्यकों से जुड़े मुद्दों को उठाना और उनकी मांगों के समर्थन में आंदोलन चलाना इसकी नींव बन सकती है। हमारे संविधान के प्रति जनता के मन में गहरा लगाव और सम्मान है। इन दो आंदोलनों और भारतीय संविधान के मूल्यों को कोने-कोने में पहुंचाकर भविष्य में भारतीय राष्ट्रवाद का बोलबाला कायम किया जा सकता है।

(अंग्रेजी से रूपांतरण अमरीश हरदेनिया।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.ncrtoday.in **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI-**UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

शहर में बवाल कराने वाले 119 लोगों को दिया गया रेड कार्ड, कोतवाली सर्किल में मात्र 71 लोग

गोरखपुर , एजेंसी। मुहर्रम के दौरान सुरक्षा लिए शहर क्षेत्र के तीन प्रमुख सर्किल में 119 ऐसे लोगों को चिन्हित किया गया है, जिनसे अनहोनी की आशंका है। इसे देखते हुए पुलिस ने इन्हें रेड कार्ड जारी कर दिया है। इनके इलाके में अगर कोई विवाद होता है, तो इन लोगों पर कार्रवाई होगी। मुहर्रम को लेकर पुलिस शांति समिति की बैठक कर संभ्रात लोगों से सहयोग मांग रही है। वहीं उत्पातियों को चिन्हित कर उन्हें चेतावनी भी दे रही है। शहर क्षेत्र में 119 लोगों को अब तक चिन्हित किया जा चुका है। सबसे अधिक जुलूस कोतवाली इलाके में निकलते हैं। इस सर्किल में राजघाट, तिवारीपुर और कोतवाली थाना शामिल है।

इस सर्किल में सर्वाधिक 71 लोगों को रेड कार्ड जारी किया गया है। इसी तरह कैंट सर्किल में कैंट थाने के अलावा रामगढ़ताल, खोराबार, एम्स थाना शामिल है, इस क्षेत्र में 19 लोगों को चिन्हित किया गया है। गोरखनाथ थाना क्षेत्र में गोरखनाथ के अलावा गुलरिहा, शाहपुर थाना शामिल है, यहां पर 29 लोग चिन्हित किए गए है। सभी लोगों को रेड कार्ड जारी किया गया।

दादा के साथ सरयू नदी में नहाने गया था पोता, पैर फिसला- डूबकर मौत

संत कबीर नगर , एजेंसी। धनघटा तहसील क्षेत्र में स्थित सरयू नदी में दादा के साथ स्नान करने गए एक 12 वर्षीय किशोर की नदी में डूबने से मौत हो गयी। पुलिस ने मौके से शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं घर के लोगों का रोते - रोते बुरा हाल है।

धनघटा थानाक्षेत्र में सरयू नदी के विभिन्न घाटों पर भारी संख्या में लोग रविवार को स्नान करने के लिए जाते हैं। रविवार की सुबह बिड़हर घाट पर क्षेत्र के डेफरा गांव के निवासी नित्यानन्द ओझाा पुत्र स्व. रामअनुज ओझा स्नान के लिए गए हुए थे। उनके साथ उनका 12 वर्षीय पोता शौर्य ओझा पुत्र राजेश ओझा भी गया हुआ था।

जब नित्यानंद ओझा नहाने लगे तो उनके साथ उनका पोता शौर्य भी नहाने लगा। नहाने के दौरान ही उसका पैर फिसला और वह नदी में डूब गया। वहां पर मौजूद स्थानीय गोताखोरों ने तकरीबन आधे घंटे के बाद उसको बाहर निकाला। इसके बाद लोग उसे लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र हैसर गए।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर ट्रेलर से टकराई डबल डेकर बस...हादसे में आधा दर्जन यात्री घायल

आगरा , एजेंसी। आगरा के फतेहाबाद में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर सिकंदरा कानपुर देहात से मानेसर हरियाणा जा रही डबल डेकर बस ट्रेलर में पीछे से जा घुसी। हादसे में आधा दर्जन यात्री घायल हो गए। पुलिस व यूपीडा टीम ने घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फतेहाबाद में भर्ती कराया।

पुलिस के मुताबिक रात 1:20 बजे शिव शक्ति ट्रैवल्स की डबल डेकर प्राइवेट बस सिकंदरा कानपुर देहात से 55 सवारियां लेकर मानेसर हरियाणा जा रही थी। जैसे ही बस फतेहाबाद क्षेत्र में आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे के किलोमीटर 27 पर पहुंची तो चालक को नींद की झपकी लग गई। इससे बस अनियंत्रित होकर आगे चल रही ट्रेलर में पीछे से टकरा गई। बस में बैठी सवारियों में चीखपुकार मच गई। हादसे में बस का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। जानकारी पर फतेहाबाद पुलिस व यूपीडा की टीम मौके पर पहुंच गई।

मिट्टी की ढाय गिरने से तीन महिला समेत चार की मौत; दर्जनभर दबे... बचाव कार्य जारी

आगरा , एजेंसी। आगरा के फतेहपुर सीकरी के राजस्थान सीमा में ग्राम दौलत गढ़ के पास चंबल पाइपलाइन के लिए खोदाई कार्य चल रहा है। यहां गड्ढे में से मिट्टी लेने गए दर्जनभर महिला-पुरुष ढाय गिरने से दब गए। सूचना पर राजस्थान के गहनोली थाना की फोर्स मौके पर पहुंच गई है। बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। घटना में तीन महिला समेत चार लोगों की मौत हो गई।

ग्राम दौलत गढ़ के पास चंबल पाइपलाइन के लिए खोदाई की गई थी। गड्ढे से पीली मिट्टी लेने के लिए कई महिला-पुरुष वहां गए थे। मिट्टी भरने के दौरान ढाय गिर गई।

सीएम योगी की घोषणा: प्रदेश के हर पौधे की होगी जियो टैगिंग, एक्सप्रेसवे के किनारे बनेगी ग्रीन लैंड

लखनऊ, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में जुलाई में आयोजित होने जा रहे वन महोत्सव को लेकर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। सीएम ने निर्देश दिए कि इस अभियान को प्रदेशव्यापी जनांदोलन का रूप दिया जाए। वृक्षारोपण महाभियान-2025 का लोगो जारी करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार हम एक दिन में प्रदेश की कुल जनसंख्या से भी अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। एक पेड़ मां के नाम थीम पर आधारित यह वृक्षारोपण महाअभियान प्रदेश को हीटवेव से ग्रीनवेव की ओर ले जा रहा है। योगी ने कहा कि 2017 से 2024 के बीच प्रदेश में 204.92 करोड़ से अधिक पौधे रोपे जा चुके हैं और भारतीय वन सर्वेक्षण, देहरादून की रिपोर्ट के अनुसार 2017 से 2023 के बीच उत्तर प्रदेश के हरित आवरण में ऐतिहासिक रूप से तीन लाख एकड़ की वृद्धि दर्ज की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वन महोत्सव की अवधि में जन्म लेने वाले प्रत्येक नवजात शिशु को ग्रीन गोल्ड सर्टिफिकेट प्रदान किया जाए। शिशु के अभिभावकों को एक पौधा भी भेंट किया जाए। उन्होंने कहा कि इस बार वन महोत्सव में कुल 35 करोड़ पौधे रोपे जाने हैं, जो प्रदेश की कुल आबादी से भी अधिक होगी। पेड़ लगाओ, पेड़ बचाओ के संदेश को जन-जन तक पहुंचाया जाए। सीएम ने कहा कि प्रत्येक रोपे गए पौधे की जियो टैगिंग कराई जाए और उनकी फेंसिंग की समुचित व्यवस्था हो।

52 करोड़ से ज्यादा पौधे उपलब्ध

इस बार वन विभाग 12 करोड़ 60 लाख पौधे और अन्य विभाग 22 करोड़ 40 लाख पौधे लगाएंगे। समन्वय के लिए सभी विभागों में नोडल अधिकारियों की नियुक्ति हो चुकी है। पौधों की आपूर्ति के लिए 1901 वन विभागीय पौधशालाओं, 146 उद्यान विभाग की पौधशालाओं, 55 रेशम विभाग की पौधशालाओं और 484 निजी पौधशालाओं में कुल 52 करोड़ 43 लाख पौधों की नर्सरी तैयार की गई है।

स्कूलों-अस्पतालों में छायादार वृक्ष

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि प्रोजेक्ट अलंकार के अंतर्गत लाभान्वित सभी विद्यालयों में बड़े स्तर पर पौधरोपण कराया जाए। सभी मेडिकल कॉलेजों और जिला अस्पतालों में सहजन सहित छायादार पौधों का रोपण आवश्यक रूप से किया जाए। सभी औद्योगिक इकाइयों और परिसरों में सघन पौधरोपण कराया जाए। सभी निराश्रित गो-आश्रय स्थलों में नीम, पाकड़, पीपल जैसे पौधों का रोपण प्राथमिकता से किया जाए।

एक्सप्रेसवे के किनारे लगेंगे पौधे

सीएम ने कहा कि सभी एक्सप्रेसवे के किनारे बड़े स्तर पर पौधरोपण कराया जाए, जिससे सर्विस लेन और मुख्य मार्गों के बीच आकर्षक हरित पट्टी तैयार हो सके। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के सभी लाभार्थियों से कम से कम एक पौधा अवश्य लगवाने के लिए समन्वय की आवश्यकता जताई। सीएम ने कहा कि इस अभियान को जनसहभागिता से सफल बनाया जाए। नुक्कड़ नाटकों, चित्रकला, वाद-विवाद प्रतियोगिताओं, प्रभात फेरियों, फोटोग्राफी प्रतियोगिता जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएं।

नदियों का होगा चैनलाइजेशन

मुख्यमंत्री ने नदियों के पुनर्जीवन को भी केंद्र में रखने के निर्देश दिए। कहा कि नदियों के दोनों तटों पर पौधरोपण कराया जाए। नदियों का चैनलाइजेशन भी किया जाए। सभी तालाबों के किनारों पर भी पौधरोपण सुनिश्चित हो और इन जलस्रोतों के संरक्षण व पुनर्जीवन का कार्य भी किया जाए।

आगरा में पुलिस की कार्यशैली से व्यापारियों में गुस्सा...अनिश्चितकाल के लिए बाजार बंद, धरने पर बैठे

आगरा, एजेंसी। आगरा के कागारौल कस्बा में लगातार हो रही चोरी व पुलिस की लचर कानून व्यवस्था के खिलाफ रविवार सुबह व्यापारियों का आक्रोश फूट पड़ा। व्यापारियों ने कस्बे का सम्पूर्ण बाजार अनिश्चितकालीन समय के लिए बंद कर दिया और शांतिपूर्ण धरने पर बैठ गए। स्थानीय पुलिस प्रशासन ने व्यापारियों को समझाकर बाजार खोलने की अपील की, लेकिन व्यापारी अधिकारियों को मौके पर बुलाने की मांग कर रहे हैं। ट्रैवल्स व्यवसायी रिंकू गर्ग ने बताया कि उनकी व अन्य व्यापारियों की निजी बस कस्बा स्थित एक फिलिंग स्टेशन पर रात के समय खड़ी रहती हैं। बसों से अक्सर डीजल चोरी हो रहा था। रिंकू गर्ग नौ जून की रात को अपनी रिश्तेदारी से घर लौट कर आए। अपनी कार को फिलिंग स्टेशन पर खड़ा कर अपने घर को जा रहे थे, तभी उन्हें वहां कुछ लोगों की चहलकदमी दिखाई पड़ी।

रिंकू ने बताया कि टोकने पर वह लोग भाग खड़े हुए, जिनमें से एक को पहचान लिया गया था। छानबीन करने पर उन्हें वहां एक कार खड़ी दिखाई दी। सूचना पर पुलिस पहुंच गई। कार से पुलिस ने डीजल से भरी चार कैन व कुछ खाली कैन, डीजल चोरी करने वाला पाइप व दो फर्जी नम्बर प्लेट बरामद की थीं। कस्बा निवासी साहब सिंह की तहरीर पर पुलिस ने 10 जून को सौरव चाहर पुत्र सीताराम चाहर निवासी गढ़मुक्खा सहित तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया था। व्यापारियों का आरोप है कि नामजद मुकदमा पंजीकृत होने के बावजूद पुलिस आरोपियों को नहीं पकड़ पा रही है। आरोप है कि शनिवार शाम को पीड़ित व्यापारियों के साथ थाना पहुंच कर मामले की जानकारी करने पहुंचे तो कस्बा इंचार्ज द्वारा उन्हें डराया व धमकाया गया।

पुलिस की कार्यशैली से व्यापारियों में आक्रोश फैल गया। रविवार को व्यापारियों ने एकजुट होकर कस्बा का सम्पूर्ण बाजार बंद कर दिया और शांतिपूर्ण धरने पर बैठ गए। सूचना मिलने पर थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। व्यापारियों से बात कर बाजार खुलवाने का प्रयास किया।

भारत नेपाल सीमा पर एसएसबी ने सात युवकों को किया गिरफ्तार, प्रतिबंधित वॉकी टॉकी मिलने से शक गहराया

बहराइच , एजेंसी। भारत नेपाल सीमा रुपईडीहा से एसएसबी ने सात युवकों को प्रतिबंधित वॉकी टॉकी के साथ गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवक बहराइच, बिजनौर, कुशीनगर और महाराष्ट्र के पुणे से हैं। पूछताछ में युवकों ने बताया कि वो कैटरिंग का काम करते हैं और इस दौरान वॉकी टॉकी का प्रयोग करते हैं। उनके खिलाफ दूर संचार अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। युवकों को प्रतिबंधित वॉकी टॉकी इस्तेमाल करने के आरोप में जेल भेजा गया है।

जमीन का विवाद खत्म, केसरीखेड़ा फ्लाईओवर का रास्ता साफ; 31 लोगों की जमीनों की हुई पैमाइश

लखनऊ , एजेंसी। राजधानी लखनऊ में केसरीखेड़ा रेलवे क्रॉसिंग फ्लाईओवर का काम अटकने से सात महीने से परेशानियां झेल रही करीब पांच लाख की आबादी को बड़ी राहत मिली है। सेतु निगम के इस अहम प्रोजेक्ट की राह में आ रहा जमीन का विवाद खत्म हो गया है।

लोक निर्माण विभाग की टीम ने शनिवार को 31 लोगों की जमीन की पैमाइश कर मुआवजे की गणना की। इन सभी को कृषि जमीन के सर्किल रेट 3620 रुपये प्रति वर्गमीटर की दोगुनी दर (7240 रुपये प्रति वर्गमीटर) के हिसाब से मुआवजा दिया जाएगा।

अफसर अबू इशहाक अहमद के नेतृत्व में छह लोगों की टीम ने दोपहर 12 बजे से पैमाइश शुरू की, जो दो बजे तक चली। जिन लोगों की जमीन की पैमाइश हुई, उनमें कुछ केसरीखेड़ा के मूल निवासी किसान और कुछ इनसे भूखंड खरीदने वाले हैं। करीब 320 वर्गमीटर की सबसे ज्यादा जमीन पंकज यादव, सुमित यादव, रामकिशोर के परिवार की है।

इनकी जमीन की हुई पैमाइश

केसरीखेड़ा फ्लाईओवर को गति देने के लिए कुल 31 लोगों ने मुआवजा लेने पर सहमति दी। इनमें श्रीमती कमलेश यादव, राकेश यादव, संत विलास यादव, राकेश, रामकुमार, राम किशोर, दिनेश सिंह, राजाराम, रामस्वरूप, रामजीवन यादव, प्रेमलाल यादव, उमामल्ह, मंजू लता, कमला मौर्या, रत्नेश उर्फ रत्ना सिंह, पंकज दुबे, रेखा दुबे, शोभा, विनय कुमारी, राम लखन, स्नेहलता द्विवेदी, राम मिलन, बृजलाल यादव, सरिता मिश्रा, अवधेश कुमार, राम किशोर, निर्भय, नित्यराम, भैरवती शर्मा, प्रतिभा व राजू हैं। केसरीखेड़ा में प्लॉट खरीदकर उस पर दुकान बनाकर बिल्डिंग मैटेरियल का व्यापार करने वाले दीपू ने बताया कि फ्लाईओवर के निर्माण में उनकी 24.385 वर्गमीटर जमीन चली गई। इसका उन्हें 1.36 लाख रुपये मुआवजा मिलेगा। दीपू ने कई वर्षों पहले 400 रुपये प्रति वर्गफीट की दर से 1300 वर्गफीट जमीन किसान से खरीदी थी।

धीमी गति से टूट रहा कॉम्प्लेक्स

सेतु निगम का कहना कि फ्लाईओवर का प्रमुख अवरोध कॉम्प्लेक्स धीमी गति से टूट रहा है। इसके पूरी तरह ध्वस्त होने व मलबा उठाने में सात-आठ दिन लग जाएंगे। इसके बाद फ्लाईओवर के अधूरे काम को गति मिल सकेगी। शनिवार तक कॉम्प्लेक्स की तीसरी मंजिल का आधे से ज्यादा हिस्सा टूट चुका था।

3000 की बंदूक, बरामदगी में लगा दिए 50 हजार, 26 साल पहले लुटेरे भेजे जेल, फिर भी नहीं मिली

अलीगढ़ , एजेंसी। आज से 26 वर्ष पहले लूटी गई तीन हजार की बंदूक की बरामदगी के लिए भागदौड़ में पुलिस ने 50 हजार रुपये खर्च कर दिए, उसके बावजूद बंदूक नहीं मिल सकी। पुलिस ने लूट के आरोप में तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर जेल भी भेज दिया। उन पर लूट की चार्जशीट भी दे दी, लेकिन आज तक बंदूक का पता नहीं चल सका।

अकराबाद के गांव जुझारपुर के ग्रामीण योगेंद्र प्रताप यादव संग नवंबर 1999 में लाइसेंसी इकनाली बंदूक की लूट हुई थी। योगेंद्र बताते हैं कि वे घटना वाली शाम अपने तहेरे भाई सुनहरी सिंह के साथ बरला के गांव पहाड़ीपुर स्थित अपनी ससुराल से साले की शादी से वापस लौट रहे थे। उनकी लाइसेंसी बंदूक कंधे पर लटकी थी।

आधी रात में करहला रोड पर कुआं गांव के रजबहे के पुल पर पहले से घात लगाकर बैठे सात-आठ बदमाशों ने उन्हें बंधक बनाकर बंदूक के साथ जेब में रखे रुपये व कागजात लूटकर ले गए। उन्होंने एक बदमाश को पहचान लिया, जो पास के ही गांव का था। पुलिस ने उसे पकड़ लिया। रात तक पूछताछ हुई, लेकिन पुलिस बंदूक बरामद नहीं कर पाई। अगली सुबह सियासी दबाव में पुलिस ने जेल भेजने के बजाय उसे छोड़ दिया।

उस समय क्या हालात रहे ये तो कहना मुश्किल है। ये काफी पुराना प्रकरण है। फिर भी ऐसे मामलों में माल बरामदगी के लिए सुराग का तस्करा जीडी में डाला जाता है, ताकि कहीं कोई माल मिले तो उसकी पहचान कराई जा सके। मामले में समीक्षा की जाएगी।

- अमृत जैन, एसपी देहात

लूट पर सियासी अखाड़ा बना अकराबाद थाना

आरोपी को छोड़ने पर तत्कालीन सत्ताधारी नेताओं की सिफारिश का आरोप उछला था। इसको लेकर विपक्षी दल के नेताओं व सिकंदराराऊ के तत्कालीन निर्दल विधायक अमर सिंह यादव ने थाने में धरना दिया। पुलिस पर सत्ता के पक्ष में लूट को दबाने का आरोप लगा। किसी तरह पुलिस ने पीड़ित पक्ष व विपक्ष को समझाकर शांत किया। दो दिन तक मची हायतौबा के बाद मामला शांत हुआ।

पर दम तोड़ गई बंदूक मिलने की उम्मीद

योगेंद्र बताते हैं कि पुलिस ने एक पखवाड़े तक खूब भागदौड़ की। अलीगढ़ के साथ-साथ हाथरस, कासगंज, एटा तक के बदमाशों के यहां दबिश दी गई। तत्कालीन थाना प्रभारी ने अकराबाद बॉर्डर के विजयगढ़ क्षेत्र के तीन बदमाशों को जेल भेजे। उन्होंने लूट की बात स्वीकारी, लेकिन पुलिस बंदूक बरामद नहीं कर सकी। कुछ दिन थाने का चक्कर लगाने के बाद उन्होंने बंदूक मिलने की उम्मीद छोड़ दी।

विरासत गलियारे पर टकराए अखिलेश- स्वतंत्रदेव, अखिलेश ने कहा ये लूट, पलटवार- खो चुके हैं दिमागी संतुलन

लखनऊ, एजेंसी। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि गोरखपुर में विरासत गलियारा के नाम पर व्यापारियों के मकान और दुकानें ढहाकर जमीन लूटी जा रही है। पीड़ा सुनने वहां गए विधानसभा में नेता विरोधी दल माता प्रसाद पांडेय और विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव को भाजपा के विधायक व कार्यकर्ताओं ने रोका, जो निंदनीय है। इस घटना में नेता विरोधी दल गोरखपुर के जिलाधिकारी और एसएसपी के खिलाफ लिखकर कार्रवाई की मांग करेंगे और दोनों सदनों में नोटिस देंगे।

प्रदेश सपा मुख्यालय पर शनिवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में अखिलेश यादव ने कहा कि अगर इनके खिलाफ अभी कार्रवाई नहीं हुई तो सपा सरकार बनने पर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि अगर गोरखपुर के लोगों ने मुंह खोल दिया, तो वहां विरासत की जगह हिरासत गलियारा बनवाना पड़ेगा। साथ ही गोरखपुर में व्यापारियों की जमीनों का बाजार मूल्य दिए जाने की मांग भी की।

अखिलेश ने कहा कि भाजपा अयोध्या और प्रयागराज में हारी है। वाराणसी में हारते-हारते बची है। अगला नंबर गोरखपुर और मथुरा का है। सिसोदिया नर्सिंग एवं पैरा मेडिकल कॉलेज में भी घपला हुआ, जहां कई सौ बच्चों की फीस जमा हुई थी, वे डिग्री के लिए घूम रहे है। अखिलेश ने कहा कि भाजपा उन्हीं स्कूलों का विलय कर रही है, जहां के बूथ हारती है। इसमें चुनाव आयोग की भी मिलीभगत है।

जो आरक्षण के खिलाफ, वे कर रहे समाजवाद का विरोध: अखिलेश ने कहा कि जो लोग आरक्षण और संविधान के विरोधी हैं, वे संविधान में सेकुलर और समाजवाद शब्दों के खिलाफ बोलते हैं। धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद ने लोकतंत्र को और विस्तार दिया है। इससे पहले नेता विरोधी दल माता प्रसाद पांडेय ने विस्तार से गोरखपुर के पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। इस दौरान पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र चौधरी और विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव भी मौजूद रहे।

स्वतंत्रदेव सिंह। स्रोत: सोशल मीडिया: गोरखपुर में विरासत गलियारे के मुद्दे को लेकर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के बयान पर जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव करारा पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि सपा अध्यक्ष का दिमागी संतुलन बिगड़ गया है, इसलिए वह अनाप-शनाप बयान दे रहे हैं। आठ साल सत्ता से बाहर रहने की वजह से सपा अध्यक्ष कुंठा से ग्रस्त और बौखलाहट में हैं। झूठ फैलाना, भ्रम पैदा करना और लोकतांत्रिक संस्थाओं को कटघरे में खड़ा करना उनकी राजनीतिक का हिस्सा बन गया है।

जलशक्ति मंत्री ने कहा कि जिन लोगों ने कभी गोरखपुर को माफिया और पिछड़ेपन की पहचान दिलाई थी, वही आज उसी शहर के सांस्कृतिक और भौतिक विकास से घबराकर उसमें रोड़े अटका रहे हैं। एम्स, फर्टिलाइजर प्लांट, रामगढ़ ताल पुनर्जीवन और गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे जैसी परियोजनाओं ने गोरखपुर को पूर्वांचल के नवजागरण का प्रतीक बना दिया है। यह सपा की संकीर्ण राजनीति को रास नहीं आ रहा। जल शक्ति मंत्री ने अखिलेश यादव द्वारा मुआवजे को लेकर दिए गए बयान को किसानों और व्यापारियों का अपमान बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि भूमि अधिग्रहण पूरी पारदर्शिता के साथ, हाईकोर्ट की निगरानी में किया गया है और प्रभावित लोगों को बाजार मूल्य पर समुचित मुआवजा दिया गया है। सपा नेता जानबूझकर किसानों को गुमराह कर भड़काने की साजिश कर रहे हैं। उन्होंने तंज कसा कि 'समाजवाद का नारा है, खाली प्लॉट हमारा है' का नारा देकर भू-माफियाओं को संरक्षण देने वाले लोग अब नैतिकता का पाठ पढ़ाने का ढोंग कर रहे हैं।

एशिया कप भारत में, लेकिन पाकिस्तान यहां नहीं खेलेगा

● भारत भी चैंपियंस ट्रॉफी खेलने पाकिस्तान नहीं गया था; 10 सितंबर से हो सकता है टूर्नामेंट

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप होने को लेकर लंबे समय से चल रहा विवाद अब धीरे-धीरे कम होता दिख रहा है। क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में होने वाला एशिया कप 10 सितंबर से शुरू हो सकता है। हालांकि, एशियन क्रिकेट काउंसिल ने इस पर अब तक कुछ भी नहीं कहा है। टूर्नामेंट में पाकिस्तान के सभी मैच हाइब्रिड मॉडल यानी दूसरे देश में खेले जाएंगे। ऐसे में न्यूट्रल वेन्यू श्व हो सकता है। इससे पहले भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के कारण टूर्नामेंट पर सवाल उठ रहे थे। फरवरी में हुई चैंपियंस ट्रॉफी में भारत ने पाकिस्तान जाने से इनकार कर दिया था। इसके बाद भारत के सभी मैच UAE में खेले गए थे।

नेपाल अगस्त में ऑस्ट्रेलिया में जाकर खेलेगा टॉप एंड टी20 सीरीज

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल ने इस बात की पुष्टि कर दी है कि ऑस्ट्रेलिया के डारविन में 14 से 24 अगस्त के बीच होने वाली टॉप एंड टी20 सीरीज में वह चार में से एक अंतर्राष्ट्रीय टीम होगी। नेपाल के लिए ये सीरीज 2026 टी20 विश्व कप में जगह बनाने की तैयारी के तौर पर बड़ी भूमिका अदा कर सकती है। 2026 टी20 विश्व कप में अभी भी तीन स्थान खाली हैं, ये विश्व कप अगले साल भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में खेला जाना है। आईसीसी टी20 विश्व कप क्वालिफायर्स अक्टूबर में ओमान में आयोजित किया जाएगा, जिसके जरिए नेपाल के पास विश्व कप के लिए क्वालिफाई करने का मौका होगा। नेपाल अगस्त की शुरुआत में डारविन पहुंच जाएगी, जहां उन्हें कम से कम छह टी20 मुकाबले खेलने हैं। ये सभी मैच कैजली एरेना के स्टेडियम में खेले जाएंगे। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ़ नेपाल (सीएएन) के सचिव पारस खड़का ने कहा, टॉप एंड सीरीज में शिरकत करते हुए हम काफी उत्साहित हैं। इससे हमें खुद को प्रतिस्पर्धी माहौल में तैयार करने के लिए बड़ी मदद मिलेगी। हमारा लक्ष्य इस सीरीज के जरिए खुद को इस तरह तैयार करने पर है ताकि 2026 टी20 विश्व कप के लिए हमें क्वालिफाई करने में मदद मिल सके।

अंपायर के खिलाफ आवाज उठाना पड़ा महंगा, वेस्टइंडीज के कोच डैरेन सैमी को ICC ने सुनाई सजा

नई दिल्ली, एजेंसी। बारबाडोस में खेले गए पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम ने वेस्टइंडीज को 159 रनों से हराया. पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया 180 पर ढेर हो गई थी, वेस्टइंडीज भी 190 रन ही बना पाई थी. उन्होंने 10 रन की बढ़त हासिल की, लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने 310 रन बनाकर लक्ष्य 301 रनों का दिया. वेस्टइंडीज 141 रनों पर ऑल आउट हो गई. मैच में अंपायर के कई फैसले विवादित रहें, जो अधिकतर मेजबान के विरोध में गए. इससे नाराज कोच डैरेन सैमी ने अंपायर का नाम लेकर फैसलों पर सवाल उठाए थे. वेस्टइंडीज बनाम ऑस्ट्रेलिया पहले टेस्ट में थर्ड अंपायर एड्रियन होल्डस्टॉक थे, उनके 5 फैसले विवादित रहे और इनमें से 4 वेस्टइंडीज के खिलाफ गए. कोच डैरेन सैमी ने प्रेस कांफ्रेंस में नाम लेकर थर्ड अंपायर के फैसलों पर आपत्ति जताई थी. इसके बाद आईसीसी ने उनको सजा सुनाई. डैरेन सैमी ने क्या कहा सैमी ने प्रेस कांफ्रेंस में अंपायर का नाम लेकर कहा था कि ऐसे गलत फैसलों की वजह से मैच हमारे खिलाफ गया. उन्होंने कहा कि क्या इस टीम के खिलाफ कुछ है? जब एक के बाद एक ऐसे गलत फैसले देखते हो तो सवाल तो उठेंगे ही. उनके आलावा कप्तान रॉस्टन चेज ने भी सवाल उठाए थे. ढ्ढष्टष्ट ने लगाया जुर्माना आईसीसी ने डैरेन सैमी पर डिमेरिट अंक जोड़ा और मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माने के रूप में काटा. वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज जेडेन सील्स पर भी मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगा. उन्होंने पैट कमिंस को आउट करने के बाद कुछ इशारे किए थे, इस कारण उन्हें सजा दी गई. वेस्टइंडीज के कप्तान रॉस्टन चेज ने भी अंपायर के फैसलों पर आपत्ति जताते हुए कहा था कि खिलाड़ियों को गलत करने पर सजा मिलती है लेकिन अंपायर के साथ कुछ भी नहीं होता. दरअसल एक फैसला चेज के खिलाफ भी गया था. टेस्ट के दूसरे दिन पैट कमिंस ने उन्हें एलबीडबल्यू आउट किय, लेकिन उन्होंने इस पर ष्ठक्रस् ले लिया. अल्ट्रा एज में दिखा कि जब गेंद बल्ले के पास थी तो कुछ स्पाइक है, लेकिन थर्ड अंपायर ने उन्हें आउट ही दिया.

इंडिया-इंग्लैंडः

श्रेयस की टेस्ट टीम में वापसी अभी इन खिलाड़ियों की वजह से संभव नहीं

• पूर्व भारतीय खिलाड़ी ने गिनाए नाम

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए जब भारतीय टीम का ऐलान किया गया था तब उसमें श्रेयस अय्यर का नाम नहीं था। श्रेयस को घरेलू स्तर पर अच्छे प्रदर्शन के बावजूद भारतीय टीम में जगह नहीं दी गई थी।

श्रेयस के चयन पर मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने कहा था कि उनका प्रदर्शन अच्छा था, लेकिन फिलहाल टीम में जगह खाली नहीं थी। भारतीय मध्यक्रम में है कड़ी प्रतिस्पर्धा अब श्रेयस अय्यर को इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम में जगह क्यों नहीं दी गई इसको लेकर पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने बताया। आकाश चोपड़ा का मानना है कि भारतीय मध्यक्रम में जगह बनाने के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा है और इसकी वजह से श्रेयस का इंग्लैंड दौरे के लिए टीम में चुने जाने की संभावना काफी कम थी। आकाश चोपड़ा का मानना है कि सरफराज खान और ध्रुव जुरेल जैसे खिलाड़ी भी अभी मौके के इंतजार में हैं और इसलिए श्रेयस को अभी टेस्ट टीम में वापसी के लिए इंतजार करना होगा। श्रेयस को करना होगा सही मौके का इंतजार आकाश चोपड़ा ने श्रेयस अय्यर के बारे में बात करते हुए कहा कि उनकी बल्लेबाजी समस्या नहीं है। उन्हें टेस्ट टीम में तुरंत मौका नहीं मिलेगा और उन्हें सही मौके का इंतजार करना होगा।

वह इंग्लैंड दौरे के लिए भी टीम में जगह नहीं बना पाते क्योंकि अभी कई दूसरे खिलाड़ी कतार में हैं और उन्हें अभी तक मौके नहीं मिले हैं। आकाश ने कहा कि करुण नायर ने अभी-अभी वापसी की है और सरफराज खान को कोई मौका नहीं दिया जा रहा है। ध्रुव जुरेल बाहर बैठे हैं। अगर पहले से ही टीम का हिस्सा रहे खिलाड़ियों को मौका नहीं दिया जा रहा है तो श्रेयस को मौका कैसे मिल सकता है।श्रेयस को धैर्य रखने की जरूरत आकाश चोपड़ा ने यह भी माना कि श्रेयस अय्यर ने पिछले दिनों घरेलू स्तर पर शानदार प्रदर्शन किया है लेकिन इस बात पर जोर दिया कि उन्हें धैर्य रखना चाहिए और टेस्ट क्रिकेट में अपने मौके का इंतजार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुझे पता है कि उनका प्रथम श्रेणी सीजन और आईपीएल 2025 काफी अच्छा रहा जिसमें उन्होंने पंजाब किंग्स को अपनी कप्तानी में फाइनल तक पहुंचाया।

छक्का लगाते ही हो गई बल्लेबाज की मौत, खेल के मैदान पर ली आखिरी सांस

नई दिल्ली, एजेंसी। खेल के मैदान में कई बार खिलाड़ियों की मौत की दुखद खबर देखने को मिलती है। पंजाब के फिरोजपुर स्थित क्रिकेट मैच के दौरान भी ऐसी ही कुछ देखने को मिला जब बल्लेबाज की छक्का लगाते ही मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक छक्का लगाने के तुरंत बाद खिलाड़ी को हार्ट अटैक आ गया जिस कारण उसकी मौत हो गई। घटना का वीडियो भी सामने आया है। घटना एक निजी स्कूल के ग्राउंड की है और मरने वाले खिलाड़ी का नाम हरजीत सिंह बताया जा रहा है। इस घटना का वीडियो साथ खेलने वाले अन्य खिलाड़ियों ने कैमरे में कैद कर लिया था। वीडियो में देखा जा सकता है कि युवक बल्लेबाजी कर रहा है और एक बॉल पर सिक्सर शॉट खेलता है। छक्का लगाने के बाद खिलाड़ी क्रीज पर ही बैठ जाता है जिसके बाद नॉन स्ट्राइक पर खड़ा बल्लेबाज भी उसके साथ आकर बैठता है। इस दौरान स्टाइकर जमीन पर गिर जाता है और सभी साथी खिलाड़ी दौड़कर उसे देखते हैं। उक्त खिलाड़ी के जमीन पर गिरने के बाद उसे प्राथमिक उपचार के तहत सीपीआर (हार्ट को पंप करना) भी दी जाती है। लेकिन उसकी मौत हो जाती है।

स्मृति मंधाना सभी प्रारूपों में शतक बनाने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं

नई दिल्ली, एजेंसी। स्मृति मंधाना ने इंग्लैंड के खिलाफ ट्रेंट ब्रिज में खेले गए पहले टी20 मैच में शतक लगाकर इतिहास रच दिया। वह तीनों प्रारूपों में शतक बनाने वाली पहली भारतीय महिला बन गई। वह हरमनप्रीत कौर के बाद टी20 शतक बनाने वाली दूसरी भारतीय महिला भी बन गई हैं। इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए मैच में मंधाना ने 62 गेंदों पर 15 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 112 रन की पारी खेली। इस पारी की बदौलत भारत ने 20 ओवरों में 210/5 का विशाल स्कोर बनाया। यह टी 20 मैचों में इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय महिला टीम का शीर्ष स्कोर है। भारतीय टीम ने 14.5 ओवर में इंग्लैंड को 113 रन पर समेट कर मैच 97 रन से जीता और पांच मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। मंधाना नियमित कप्तान हरमनप्रीत कौर के सिर में चोट लगने की वजह से इस मैच में कप्तान भी थी। मंधाना के टी 20 करियर पर नजर डालें तो 149 मैचों में एक शतक और 30 अर्धशतक की मदद से 3,873 रन बनाए हैं। मंधाना भारत की तरफ से टी 20 फॉर्मेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज हैं। वहीं, ओवरऑल न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स के बाद दूसरे नंबर पर हैं। हरमनप्रीत कौर भारत की तरफ से दूसरे और ओवरऑल तीसरे स्थान पर हैं। 102 वनडे मैचों में 11 शतक और 31 अर्धशतक की मदद से मंधाना ने 4,473 रन बनाए हैं। वहीं सात टेस्ट मैचों में दो शतक की बदौलत उन्होंने 629 रन बनाए हैं। मंधाना ने 2024 में वनडे फॉर्मेट में शानदार प्रदर्शन किया था। पिछले साल उन्होंने चार वनडे शतक लगाए। किसी अन्य महिला बल्लेबाज ने एक साल में तीन से अधिक शतक नहीं लगाए हैं। इस प्रदर्शन की बदौलत मंधाना को आईसीसी महिला वनडे क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुना गया। वहीं आईसीसी की महिला वनडे टीम ऑफ द ईयर में भी शामिल किया गया। जून 2018 में बीसीसीआई ने मंधाना को सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर के पुरस्कार से सम्मानित किया था।

लॉर्ड्स अच्छा है, लेकिन ...

रवि शास्त्री ने WTC फाइनल के लिए नए मैदान की सिफारिश की

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने नए मैदान की सिफारिश की है। शास्त्री ने कहा कि इंग्लैंड टेस्ट क्रिकेट के विकास के लिए एक आदर्श स्थल बना हुआ है, हालांकि एकमात्र मैच बाद में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बड़े स्थलों पर खेला जा सकता है। पिछले छह वर्षों में लगातार तीन ङ्खञ्जष्ट फाइनल इंग्लैंड के तीन अलग-अलग स्टेडियमों में खेला गया है। साउथेम्प्टन के रोज बाउल ने उद्घाटन फाइनल में भारत और न्यूजीलैंड की मेजबानी की। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने ओवल में WTC 2023 का फाइनल भारत के खिलाफ जीता। इस महीने की शुरुआत में ट्रॉफी लंदन लौटी जिसमें प्रतिष्ठित लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड ने ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच एक शानदार मैच में प्रोटियाज ने टेम्बा बावुमा की कप्तानी में 27 साल के ICC ट्रॉफी सूखे को समाप्त किया। लंदन में होने वाले इस आयोजन में लंबे प्रारूप के लिए तटस्थ क्रिकेट प्रेमी भीड़ जुटती रहती है, लेकिन शास्त्री को लगता है कि भविष्य में पर्याप्त दर्शक मिलने के बाद चैंपियनशिप का फाइनल भारत के नरेंद्र मोदी स्टेडियम और ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड जैसे विशाल स्टेडियमों में आयोजित किया जा सकता है। विजडन क्रिकेट पॉडकास्ट में शास्त्री ने कहा, मुझे लगता है कि शुरुआत में अगर यह यहीं (लॉर्ड्स) हो तो अच्छा रहेगा। एक बार जब इसे वह लोकप्रियता और प्रशंसा मिल जाए जिसके यह हकदार है, तो इसे स्थानांतरित किया जा सकता है। लेकिन मुझे लगता है कि एमसीजी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए एक बेहतरीन जगह हो सकती है। भारत के पूर्व मुख्य कोच ने कहा, अहमदाबाद WTC फाइनल के लिए एक बेहतरीन जगह हो सकती है। मूल रूप से, ऐसी जगहें जहां आप भीड़ जुटा सकते हैं। क्योंकि लॉर्ड्स 100,000 सीटों वाला स्टेडियम नहीं है। इसलिए चाहे कोई भी टीम खेल रही हो, आपको पता है कि आपको अच्छी भीड़ मिलेगी। हाल की रिपोर्टों ने सुझाव दिया है कि इंग्लैंड अगले दो चक्रों में भी WTC फाइनल का घर हो सकता है जिसका फाइनल 2029 और 2031 में होना तय है। ICC के फ्यूचर टूर्स प्रोग्राम के अनुसार 2027 WTC फाइनल भी लॉर्ड्स में आयोजित किया जाना तय किया गया है। WTC 2027 की मेजबानी के लिए BCCI की बोली को हाल ही में खारिज कर दिया गया था, क्योंकि तटस्थ टेस्ट को लगातार समर्थन देने के लिए इंग्लैंड को तरजीह दी गई थी।

बीडब्ल्यूएफ यूएस ओपनः

तन्वी और आयुष ने उलटफेर के साथ किया फाइनल में प्रवेश

काउंसिल ब्लफ्स, एजेंसी। बीडब्ल्यूएफ यूएस ओपन में 16 वर्षीय तन्वी शर्मा ने यूक्रेन की पोलिना बुहरोवा को मात दी। उनके अलावा 20 वर्षीय आयुष शेट्टी ने वर्ल्ड रैंकिंग में नंबर-6 खिलाड़ी चोउ टिएन चेन को शिकस्त देकर अपने करियर के सबसे बड़े फाइनल में जगह बना ली है। दोनों ही खिलाड़ी बीडब्ल्यूएफ यूएस ओपन के अपने-अपने फाइनल में पहुंच गए हैं।

महिला सिंगल इवेंट में तन्वी ने वर्ल्ड रैंकिंग में नंबर-40 खिलाड़ी बुहरोवा को 21-14, 21-16 से हराकर मुकाबले को 34 मिनट में अपने नाम कर लिया। वर्ल्ड रैंकिंग में नंबर-66 तन्वी शर्मा ने मई में डेनमार्क चैलेंज जीता था। वह पिछले साल ओडिशा मास्टर्स में सुपर 100 फाइनल में पहुंची थीं। बाई ने अपने एक्स पोस्ट में तन्वी की तारीफ करते हुए लिखा, वह जाल बिछाती हैं, और उसमें सबसे बेहतरीन भी फंस जाते हैं। हमारी टीन टाइटन समझदार, होशियार, साहसी हैं। वह सधे हुए शॉट्स और बेखौफ खेल से हर रैली में दिल जीत रही हैं!

गुवाहाटी में बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (बीएआई) के नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में ट्रेनिंग लेने वाली तन्वी अब समिट क्लैश में चीन की विश्व की 21वें नंबर की खिलाड़ी बेइवेन झांग से भिड़ेंगी। वहीं, दूसरी ओर विश्व में 34वें नंबर के खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने ताइपे ओपन 2025 के सेमीफाइनल में चोउ से मिली हार का बदला चुकता किया। पहले गेम में मिली करीबी हार के बाद उन्होंने चोउ को 21-23, 21-15, 21-14 से हराया। अब फाइनल में शेट्टी का सामना ब्रायन यांग से होगा, जिन्होंने लियाओ झूओ फू पर 21-10, 21-12 से आसान जीत दर्ज की है। शेट्टी की नजरें अपने पहले वर्ल्ड टूर खिताब जीतने पर होंगी, क्योंकि यांग पर उनका रिकॉर्ड 2-0 है। बीडब्ल्यूएफ ने एक्स पर लिखा, 16 वर्षीय तन्वी शर्मा और 20 वर्षीय आयुष शेट्टी ने यूएस ओपन-2025 के सेमीफाइनल में सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। इससे पहले, तन्वी ने क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड की पिचामोन ओपटनीपुथ को सीधे गेम में 21-18, 21-16 से हराया था, जो दुनिया की 58वें नंबर की खिलाड़ी हैं। वह 2023 की जूनियर विश्व चैंपियन भी हैं।

दूसरी ओर, आयुष ने पुरुष एकल के राउंड ऑफ 16 में हमवतन थारुन मन्नेपल्ली पर 21-12, 13-21, 21-15 से कड़ी टक्कर में दर्ज की, जो दुनिया में 54वें नंबर के खिलाड़ी हैं।

मैं खाली मैदान को निहारता रहा लेकिन...

रोहित शर्मा ने सुनाया टी-20 वर्ल्डकप जीत का किस्सा

नईदिल्ली, एजेंसी। 29 जून 2024 को भारत ने बारबाडोस के केंसिंग्टन ओवल में दक्षिण अफ्रीका को सात रन से हराकर 11 साल बाद आईसीसी ट्रॉफी जीतने का सपना पूरा किया था. अब इस महाजीत के ठीक एक साल बाद रोहित शर्मा ने उस ऐतिहासिक जीत से पहले की भावनाओं और दबाव को लेकर अपने दिल की बात साझा की है. रोहित बोले - मैं रात भर सो नहीं सका रोहित शर्मा ने कहा कि तेरह साल लंबा समय होता है.

कई खिलाड़ियों का तो इतना लंबा करियर भी नहीं होता. मैंने पिछली बार 2007 में वर्ल्ड कप जीता था. इसलिए मेरे लिए इससे बड़ा कुछ हो ही नहीं सकता था. मैं रातभर सो नहीं पाया. बस वर्ल्ड कप के बारे में ही सोचता रहा. मैं इतना नर्वस था कि मेरे पैरों में जान नहीं थी. अंदर से बहुत कुछ चल रहा था,

हालांकि मैं बाहर नहीं दिखाता. हमें सुबह 8:30 या 9 बजे निकलना था, लेकिन मैं 7 बजे उठ गया. रोहित शर्मा ने कहा कि मेरे कमरे से मैदान दिख रहा था और मैं बस उसे निहारता रहा. मैंने खुद से कहा, दो घंटे में मैं वहां खेल रहा होऊंगा, और चार घंटे में सब कुछ तय हो जाएगा. या तो कप हमारे पास होगाया नहीं.

ऐसा लग रहा था कि गेंद छक्के के लिए जा रही है, लेकिन तभी सूर्या हवा में उड़े और कैच पकड़ लिया. हवा भी गेंद को थोड़ा पीछे खींच लाई होगी. थर्ड अंपायर का फैसला आने तक सबकी सांसें रुकी थीं.

बता दें कि भारत की जीत के बाद रोहित शर्मा, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा ने टी-20 से संन्यास की घोषणा की. कोहली को फाइनल में शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया था. तीनों खिलाड़ियों ने इस ऐतिहासिक जीत के साथ इस प्रारूप को अलविदा कहा.

भारत को फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पडा

2023 के वनडे वर्ल्ड कप में भारत को फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था. ऐसे में रोहित शर्मा पर वर्ल्ड कप जीतने का ज़बरदस्त दबाव था. 38 वर्षीय रोहित के लिए यह कप्तान के तौर पर पहली ICC ट्रॉफी थी. वह 2007 में टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम का भी हिस्सा रह चुके हैं. 2024 के इस वो कैच मैच का टर्निंग पॉइंट था : रोहित शर्मा फाइनल में हेनरिक क्लासेन ने 23 गेंदों में अर्धशतक जड़कर भारत की मुश्किलें बढ़ा दी थीं. आखिरी पांच ओवरों में दक्षिण अफ्रीका को सिर्फ 30 रन चाहिए थे और डेविड मिलर क्रीज़ पर मौजूद थे. तभी सूर्यकुमार यादव ने लंबी सीमा रेखा पर एक हैरतअंगेज़ कैच लेकर मिलर को आउट किया और भारत को वापसी का मौका मिला. रोहित ने कहा कि मैं लॉन्ग ऑन पर था और वो कैचज सच कहूं तो वही मैच का पल था.